मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शुक्रवार, 16 मई 2025

संवत 2082, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष-03 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 251, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

दिलजीत दोसांझ ने फिल्म नो एंट्री 2 का ऑफर ठुकराया ◂◂ 6

मोदी सरकार और बढ़ाएगी सेना की ताकत

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा बजट में 50000 करोड़ की बढ़ोतरी संभव

- आधुनिक तकनीक और हथियारों पर भारत का फोकस

एजेंसी

नई दिल्ली : पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से दहलाने के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपए की वृद्धि कर सकती है। रक्षा मंत्रालय की ओर से सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है।

सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि इस साल के अंत में पूरक बजट के माध्यम से अतिरिक्त धनराशि आवंटित किए जाने की उम्मीद है, जिससे संभवतः कुल रक्षा व्यय पहली बार 7 लाख करोड़ रुपये के पार चला जाएगा। 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट में पहले ही रक्षा के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए गए थे। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के 6.22 लाख करोड़ रुपये से 9.2 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दशार्ता है।यदि अतिरिक्त आवंटन को मंजूरी मिल जाती है, तो यह सैन्य आधुनिकीकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार की रणनीतिक प्राथमिकता को और अधिक रेखांकित करेगा। सूत्रों ने बताया कि

अतिरिक्त धनराशि को अनुसंधान और विकास, उन्नत हथियारों की खरीद, गोला-बारूद के भंडार की पुनःपूर्ति और अत्याधुनिक सैन्य हार्डवेयर के अधिग्रहण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लगाया जाएगा। इस प्रस्ताव को शीतकालीन सत्र के दौरान संसद की मंजूरी के लिए पेश किए जाने की संभावना है। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की शुरूआत से ही रक्षा खर्च में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। मौजूदा बजट न केवल उस आंकड़े को छोटा करता है, बल्कि सभी मंत्रालयों में सबसे बड़ा आवंटन भी दशार्ता है, जो राष्ट्रीय बजट का 13 प्रतिशत है। प्रस्तावित वृद्धि का संकेत पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत की निर्णायक सैन्य प्रतिक्रिया ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिला है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए इस ऑपरेशन ने भारत की बढ़ती सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक संकल्प को प्रदर्शित किया। ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सेना के स्वदेशी रक्षा प्रणालियों को उन्नत तकनीकों के साथ एकीकृत करने की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है।

विशेष रूप से, इस ऑपरेशन ने भारत की एयर डिफेंस सिस्टम की ताकत को प्रदर्शित किया, जिसमें स्वदेशी आकाश मिसाइल प्रणाली भी शामिल है, जिसकी तुलना अक्सर इजरायल के आयरन डोम से की जाती है। इससे संबंधित एक घटनाक्रम में, भारत ने भार्गवस्त्र नामक एक नए ड्रोन-रोधी हथियार का भी परीक्षण किया। इसे हार्ड किल मोड में संचालित करने वाले कम लागत वाले काउंटर-ड्रोन सिस्टम के रूप में डिजाइन किया गया है, यह हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए माइक्रो-रॉकेट का उपयोग करता है। इस सिस्टम का इस सप्ताह की शुरूआत में ओडिशा के गोपालपुर में सीवर्ड फायरिंग रेंज में सफल परीक्षण किया गया था।

भुज एयरबेस पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह,सैनिकों से कहा-

जितनी देर में लोग नाश्ता करते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मन को निपटा दिया

- 'ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखाया',

एजेंसी

भुज : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज वायु सेना स्टेशन का दौरा किया। इस एयरबेस को पिछले सप्ताह पाकिस्तानी सेना की ओर से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। हालांकि, उनके नापाक मंसूबों पर भारतीय सशस्त्र बलों ने पानी फेर दिया था। राजनाथ की यह यात्रा जम्मू-कश्मीर की यात्रा, नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के एक दिन बाद हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहलगाम में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों को और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। मैं हमारे घायल सैनिकों के साहस को भी नमन करता हूं और ईश्वर से यह प्रार्थना करता हूं कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों। हमारे देश की मजबूत भुजा भुज में आप सबके बीच आकर मुझे बड़ा गर्व हो रहा है। यह भुज, 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। यह भुज 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। आज एक बार फिर यह भुज पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी बना है। इसकी मिट्टी में देशभक्ति की खुशबू है और यहां के जवानों में भारत की सुरक्षा का अडिग संकल्प। मैं आप सभी वायु योद्धाओं समेत, सशस्त्र बलों और बीएसएफ के सभी जांबाजों को सलाम करता हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अभी कल ही मैं श्रीनगर में सेना के अपने वीर जवानों से मिलकर लौटा हूं। आज मुझे आपके बीच आने का अवसर मिला है। कल मैं भारत के उत्तरी भाग में जवानों से मिला। आज मैं भारत के पश्चिमी भाग में वायु योद्धाओं और जवानों से मिल रहा हूं। दोनों ही मोर्चों पर उच्च र्जा और हाई जोश देखकर मैं फिर से आश्वस्त हो गया हूं कि भारत की सीमाएं आप सभी की मजबूत भुजाओं में पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

बीते दिन किया था जम्मू-कश्मीर दौरा

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 15 मई को जम्मू-कश्मीर का दौरा किया था और वहां की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया था। श्रीनगर के बडामी बाग कैंटोनमेंट में सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति को नए सिरे से परिभाषित किया है। अब भारत की नीति है कि भारतीय जमीन पर कोई भी हमला युद्ध माना जाएगा।' उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की अब तक की सबसे बड़ी आतंकवाद विरोधी कार्रवाई बताया और कहा, 'ये केवल बचाव नहीं था, बल्कि साहसिक निर्णय लेकर किया गया जवाब था। आतंकियों ने हमारे लोगों को धर्म देखकर मारा, हमने उन्हें उनके कर्मों की सजा दी। यह हमारा धर्म था।'

दो ऑपरेशन में छह आतंकी ढेर, कश्मीर में बड़ी साजिश नाकाम': आईजीपी

एजेंसी

जम्मू : कश्मीर में सुरक्षाबलों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। दो ऑपरेशन में छह आतंकियों को मार गिराया है। सभी आतंकी ऊंचाई वाले इलाकों में छिपे थे। सेना और पुलिस की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी गई है। हाल के आतंकवाद विरोधी अभियानों पर आईजीपी कश्मीर वीके बिरदी ने कहा पिछले 48 घंटों में, हमने दो बहुत सफल ऑपरेशन किए हैं। ये दो ऑपरेशन केरन और त्राल इलाकों में किए गए, जिसके परिणामस्वरूप कुल छह आतंकवादी मारे गए। हम यहां आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केलार और त्राल इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों पर वी फोर्स के जीओसी मेजर जनरल धनंजय जोशी ने कहा कि 12 मई को हमें केलार के ऊंचे इलाकों में एक आतंकवादी समूह की संभावित मौजूदगी की सूचना मिली थी। 13 मई की सुबह कुछ हलचल का पता चलने पर हमारे दलों ने आतंकवादियों को चुनौती दी, जिन्होंने जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी की। हमारे दलों ने उन्हें मार गिराया। उन्होंने बताया कि त्राल इलाके में दूसरा ऑपरेशन एक सीमावर्ती गांव में किया गया। जब हम इस गांव की घेराबंदी कर रहे थे, तो आतंकवादी अलग-अलग घरों में छिप गए और हम पर गोलीबारी की। इस समय हमारे सामने चुनौती थी कि हम आम ग्रामीणों को बचाएं। इसके बाद तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। मारे गए छह आतंकवादियों में से एक शाहिद कुट्टे दो बड़े हमलों में शामिल था, जिसमें एक जर्मन पर्यटक पर हमला भी शामिल था। वह गतिविधियों को वित्तपोषित करने में भी शामिल था।

सिक्योरिटी गार्ड की पत्थर से कुचकर हत्या

धनबाद: जिले में गुरुवार की रात एक निजी कंपनी के सुरक्षा गार्ड की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। सुरक्षा गार्ड की पहचान 45 वर्षीय मिथिलेश रवानी के रूप में हुई ह । वह केंदुआडीह थाने के पास श्री राम कंपनी द्वारा बिछाई गई पाइप की देखरेख करता था । जहां उसकी नाइट शिफ्ट में ड्यूटी लगी थी । स्थानीय लोगों के मुताबिक, शुक्रवार की सुबह मिथिलेश का शव खून से लथपथ मिला । जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई । सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची । पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । पूरे मामले की जांच की जा रही है. केंदुआडीह थाने के इंस्पेक्टर प्रमोद पांडेय ने बताया कि मिथिलेश रवानी बिहार के नवादा का रहने वाला था । वह श्री राम कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड था । कंपनी नगर निगम के लिए पानी की पाइप बिछा रही है । कंपनी द्वारा केंदुआडीह थाने के पास पाइप बिछाई गई है । बीती रात मिथिलेश यहां ड्यूटी पर था । इसी दौरान किसी अज्ञात अपराधी ने पत्थर से कूच कर उसकी हत्या कर दी ।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला, कहा-

'इस्कॉन सोसाइटी बंगलूरू का है हरे कृष्ण मंदिर'

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को माना कि बंगलूरू में हरे कृष्ण मंदिर शहर में इस्कॉन सोसाइटी का है। शीर्ष अदालत ने इस्कॉन बंगलूरू की याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बंगलूरू में प्रतिष्ठित हरे कृष्ण मंदिर और शैक्षणिक परिसर पर नियंत्रण के लिए इस्कॉन मुंबई के पक्ष में फैसला सुनाया गया था। ये फैसला न्यायमूर्ति एएस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनाया।

करीब डेढ़ दशक तक कानूनी दांव पेंचः बता दें कि, इस्कॉन बैंगलोर ने 23 मई, 2011 के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए 2 जून, 2011 को शीर्ष अदालत का रुख किया था। इस याचिका में, इस्कॉन बैंगलोर, जिसका प्रतिनिधित्व इसके पदाधिकारी कोडंडाराम दास ने किया, ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी, जिसने बंगलूरू की एक स्थानीय अदालत के 2009 के आदेश को पलट दिया था।

पहले बैंगलोर फिर मुंबई के पक्ष में आया फैसला

इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने इस्कॉन बैंगलोर के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसमें इसके कानूनी शीर्षक को मान्यता दी गई थी और इस्कॉन मुंबई के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा दी गई थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने इस फैसले को पलट दिया और इस्कॉन मुंबई के प्रतिवाद को बरकरार रखा, जिससे उन्हें प्रभावी रूप से मंदिर पर नियंत्रण मिल गया।

क्या है दोनों सोसायटियों का दावा?

कानूनी झगड़े ने समान नाम और आध्यात्मिक मिशन वाली दो सोसायटियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है। कर्नाटक में पंजीकृत इस्कॉन बैंगलोर का तर्क है कि वह दशकों से स्वतंत्र रूप से काम कर रही है और बंगलूरू दिर का प्रबंधन कर रही है। राष्ट्रीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 और बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के तहत पंजीकृत इस्कॉन मुंबई का दावा है कि इस्कॉन बैंगलोर केवल उसकी शाखा है और संबंधित संपत्ति सही मायने में उसके अधिकार क्षेत्र में है।

एशिया में फिर कोरोना की दस्तक, मचाने लगा कोहराम

नई दिल्ली: कोविड-19 महामारी, जिसने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था, एक बार फिर लौटने लगी है। जैसे ही गर्मियों का मौसम शुरू हुआ, एशिया के कई देशों में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी देखने को मिल रही है। हांगकांग, सिंगापुर और ईरान जैसे देशों में नए मामलों की संख्या में भारी उछाल आया है, जिससे वैश्विक स्तर पर चिंता का माहौल बन गया है। हांगकांग में संक्रमण दर में 28% की बढ़ोतरीःहांगकांग में 3 मई तक कुल 31 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए, जो पिछले एक साल की तुलना में एक सप्ताह में मिलने वाले सबसे अधिक केस हैं। हांगकांग सेंटर फॉर हेल्थ प्रोटेक्शन के अनुसार, यहां संक्रमण की दर बढ़कर 28 प्रतिशत हो गई है और अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या में भी 30 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। 70 लाख की आबादी वाले इस शहर में स्वास्थ्य विभाग अब अलर्ट मोड में आ गया है. सिंगापुर में भी स्थिति गंभीर होती जा रही है। यहां कोरोना संक्रमितों की संख्या 14,200 तक पहुंच चुकी है। राज्य और शहरी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना की नई लहर धीरे-धीरे तेज हो रही है. हालाँकि संक्रमण की तीव्रता और गंभीरता को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है, फिर भी सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है।

चांदी के कड़ों के लिए मां की चिता पर लेट गया कलयुगी बेटा, नहीं होने दिया अंतिम संस्कार

एजेंसी

जयपुर/ एजेंसीःमां मेरी दुनिया तेरे आंचल में, मां है तो संसार है, मां के सामने दुनिया की सारी खुशियां फीकींङ्गइन शब्दों को कोई समझ गया तो जन्नत नसीब हो गई, लेकिन राजस्थान में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे देश को झकोझोर दिया है। क्योंकि यहां कलियुगी बेटा सिर्फ मां के मरने का इंतजार कर रहा था। यह तो कुछ भी नहीं मरी हुई मां की कलाइयों से चांदी के कड़े लेने के लिए यह बेटा मां की चिता पर लेट गया, जिस कारण अंत्येष्टि में भी देरी हो गई। ग्रामीण लाख समझाते रहे, लेकिन

चांदी के इन छोटे से टुकड़ों के लिए इस कलियुगी बेटे ने अपनी औकात दिखा दी। जानकारी के अनुसार राजस्थान के जयपुर ग्रामीण के विराटनगर क्षेत्र में 80 वर्षीय महिला का निधन हो गया। इसके बाद मां के बेटों ने अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू कीं और मां की देह को अंत्येष्टि के लिए श्मशानघाट ले गए। इस दौरान पूर हिंदू रीति-रिवाज से मृतक मां का संस्कार होने ही वाला था कि ग्रामीणों ने मां के पहने हुए गहने उतार दिए और बड़े बेटे गिरधारी लाल को सौंप दिए। ग्रामीणों ने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि बड़े बेटे गिरधारी ने ही मां की सेवा की थी। इस दौरान छोटा बेटा ओम प्रकाश तैश में आ गया और उतारे हुए चांदी के केड़ों की मांग करने लगा। इस कलियुगी बेटे ने अपनी ऐसी औकात दिखाई की समाज भी शर्मसार हो गया। ओम प्रकाश इतना बिफरा कि मां की चिता पर लेट गया और कहने लगा मुझे चांदी के कड़े दे दो, वरना मैं चिता से उठूंगा नहीं और यहीं मर जाऊंगा। ओम प्रकाश की इस करतूत को देखकर परिवार की बाकी सदस्य, रिश्तेदार और ग्रामीण भी हैरान हो गए। उन्होंने उसे बहुत समझाया कि पहले अंतिम संस्कार होने दे, लेकिन वह नहीं माना। लगभग 2 घंटे तक यह ड्रॉमा चलता रहा। आखिर उसने चांदी के कड़े लेकर ही छोड़े। फिर जाकर अंतिम संस्कार हुआ। खैर, अब मां तो चल बसी है, लेकिन छोटे बेटे की इस करतूत से क्या मां की आत्मा को शांति मिली होगी।

नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बिजली गिरने से सीआरपीएफ अधिकारी की मौत, तीन अन्य घायल

संवाददाता

रांची : राज्य में गुरूवार को एक अभियान के दौरान बिजली गिरने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक अधिकारी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना पश्चिमी सिंहभूम जिले के केरीबरू गांव में रात करीब 10.30 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि 26वीं बटालियन के सेकेंड-इन-कमांड अधिकारी एम पी सिंह की बिजली गिरने से मौत हो गई, जबकि सहायक कमांडेंट एस के मंडल घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारी एक अभियान के तहत

जंगलों में गए थे। बिजली गिरने से सीआरपीएफ अधिकारी की मौतः मृत अधिकारी की पहचान महारबाम प्रबो सिंह (46) के रूप में हुई, जो 26वीं बटालियन में सेकेंड-इन-कमांड के पद पर थे। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मणिपुर के पश्चिमी इंफाल जिले के मूल निवासी सिंह एक महत्वपूर्ण नक्सल विरोधी अभियान के तहत घने जंगल में सीआरपीएफ कर्मियों की एक इकाई का नेतृत्व कर रहे थे, जब बिजली गिरी। झारखंड पुलिस के दो जवान भी घायल हुएः सिंह के साथ मौजूद सहायक कमांडेंट सुबीर कुमार मंडल भी इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के अनुसार, बाद में मंडल को आगे के इलाज के लिए टाटा मेन हॉस्पिटल नोवामुंडी रेफर कर दिया गया। इस घटना में झारखंड पुलिस के दो जवान भी घायल हुए हैं। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों अधिकारी ऑपरेशन में सबसे आगे थे, जब प्रकृति ने क्रूर प्रहार किया, तो वे चुनौतीपूर्ण मौसम और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में अपने जवानों का मार्गदर्शन कर रहे थे। पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है, जिससे संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्र में पहले से मौजूद खतरे और बढ़ गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार युवक घायल

खूंटी : रांची- खूंटी मुख्य मार्ग पर तजना नदी पुल से कुछ आगे टोयाटोली के पास एक स्कूटी और अन्य वाहन की टक्कर में स्कूटी सवार युवक गोपाल कुमार बुरी तरह घायल हो गया। जबकि स्कूटी सवार को बचाने के क्रम में एक ट्रेलर सड़क से नीचे पलट गई। लोगों ने बताया कि खूंटी की ओर से एक स्कूटी (जेएच 24 एफ 9544) रांची की तरफ जा रही थी, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन से स्कूटी को पीछे से धक्का मार दिया। जिससे स्कूटी सवार व्यक्ति सड़क पर गिर गया और घायल हो गया। जिस वाहन ने स्कूटी को धक्का मारा था वो मौके से भाग निकला। लेकिन रांची की तरफ से आ रहे एक ट्रेलर (जेएच 09 जेड 4338) ने सड़क पर दुर्घटना ग्रस्त स्कूटी को बचाने के क्रम में ट्रेलर को सड़क से नीचे उतर दिया जिससे ट्रेलर पलट गया, और क्षतिग्रस्त हो गया। स्कूटी सवार युवक को ग्रामीणों द्वारा सदर अस्पताल ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर खूंटी पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की करवाई कर रही है।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में फेल होने पर नाबालिग छात्रा कुंए में कूदी, मौत

चतरा: सदर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग छात्रा ने परीक्षा में फेल होने पर कुंए में कूदकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में सदर थाना में यूडी का मामला दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि छात्रा इस वर्ष 10 वीं की परीक्षा में शामिल हुई थी। मंगलवार को जारी हुए सीबीएसई 10 वीं के परीक्षा में छात्रा फेल हो गई। परीक्षा में फेल होने के बाद बुधवार से युवती बगैर किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। परिवार के लोगों ने काफी खोजबीन किया लेकिन कहीं पता नहीं चल पाया। परिजनों ने बुधवार को ही सदर थाना में छात्रा के गुमशुदगी का सन्हा दर्ज कराया था। इसी बीच गुरुवार को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि गांव से बाहर एक कुंए में एक छात्रा का शव तैर रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। शव की पहचान गुमशुदा छात्रा के रूप में हुई है।

बिरहोर परिवारों के बीच अनाज का वितरण

चतरा : आदिम जनजाति के लोगों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजना, जनजाति खाद सुरक्षा योजना के तहत हंटरगंज प्रखण्ड के खुटिकेवालखुर्द पंचायत गोपालपुर गांव बिरहार टोला स्थित बिरहोर परिवारों के बीच चावल वितरण किया गया। वितरण बिरहोर टोला में शिविर लगा कर प्रखण्ड खाद आपूर्ति पदाधिकारी अर्जुन कुमार ने खुद से किया। शिविर में अप्रैल माह का 35-35 किलो अनाज 30 बिरहोर परिवारों के बीच वितरित किया गया। इस दौरान बिरहोर परिवारों में हर्ष का माहौल रहा। अर्जुन कुमार ने कहा कि आदिम जनजाति आबादी को पूरी तरह से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए उक्त महत्वकांक्षी योजना चलाई जा रही है। सभी परिवार के बीच 35 - 35 किलो अनाज वितरित किया गया। इस दौरान एमओ ने दो नया ग्रीन राशन कार्ड बनाकर भी वितरण किए। मौके पर खुटिकेवालखुर्द मुखिया बृजकिशोर सिंह, एजीएम सुनिल लकड़ा, के आलवे दर्जनो मौजूद थे।

आम्रपाली में 650 करोड़ के सीसीएल मेगा टाउनशिप का निर्माण जोरों पर

चतराः कोयलांचल क्षेत्र टंडवा प्रखंड का होन्हे गांव आज रांची से लेकर दिल्ली में चर्चित हो गया है। दरअसल सीसीएल आम्रपाली से प्रभावित होन्हे गांव में लगभग 650 करोड़ खर्च कर मेगा टाउन शिप बना रही है जिसका निर्माण कार्य जोरों पर है। बताया गया कि झारखंड में सीसीएल के 14 एरिया में आम्रपाली के होन्हे में जमीन अधिग्रहण कर सीसीएल मेगा टाउनशिप बना रही है। इस टाउनशिप में दो जीएम और चार पीओ के आवास के साथ अधिकारियों के रहने के लिए लगभग 1200 फ्लैट बनाये जा रहे हैं। यह टाउनशिप पूरी तरह आधुनिक से लैश होगा। अधिकारियों की मानें तो लगभग 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इस नवनिर्मित शहर में मगध संघमित्रा एरिया के एक जीएम और आम्रपाली चंद्रगुप्त के एक जीएम के आवास के साथ चार प्रोजेक्ट पदाधिकारी के आवास बनाये गये है। होन्हे गांव दरअसल प्रखंड के कोयद पंचायत में आता है। जीएम अमरेश कुमार की देखरेख में इस महत्वाकांक्षी योजना को सीसीएल धरातल पर उतारने में लगी है। पीओ मो अकरम के अनुसार इस टाउनशिप में दो जीएम और चार पीओ भविष्य में रहेंगे।

बैंकमोड़ फ्लाईओवर की युद्धस्तर पर करें मरम्मतः डीसी

धनबादः बैंकमोड़ फ्लाईओवर की मरम्मत युद्धस्तर पर की जाए। इसमें कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। वनवे की व्यवस्था को ठीक तरह से बनाने रखने के हरसंभव उपाय किए जाएं। हर जरूरी स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस या फिर स्वयंसेवकों हो। काम की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसके लिए जरूरी है कि आरसीडी (पथ निर्माण विभाग) के कार्यपालक अभियंता व्यक्तिगत रूप से हर दिन काम की मॉनिटरिंग करें। उक्त बातें डीसी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को समाहरणालय में आयोजित बैठक में कहीं। डीसी ने कहा कि निर्धारित वैकल्पिक रूट पर सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के हरसंभव उपाय रोज किए जाएं।जब तक फ्लाईओवर के दोनों लेन की मरम्मत पूरी नहीं हो जाती, तब तक वैकल्पिक मार्ग के हर जरूरी स्थानों की निगरानी की जाए। रणधीर वर्मा चौक, हीरापुर, बिनोद नगर, बरमसिया मोड़, बरमसिया ओवर ब्रिज, एफसीआई गोदाम, हावड़ा मोटर्स, फ्लाईओवर के वन वे मार्ग, रेलवे स्टेशन के दक्षिणी छोर तथा अन्य ट्रैफिक दबाव के चिन्हित स्थलों पर प्रतिनियुक्त फोर्स एवं स्वयंसेवकों को सतर्क रखा जाए।

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 17 प्रस्तावों पर लगी मुहर

नयी उत्पाद नीति को मिली मंजूरी, एक महीने में होगी लागू

एक बार फिर निजी हाथों में होगी शराब की खुदरा बिक्री

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरूवार यहां राज्य कैबिनेट की बैठक में 17 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। कैबिनेट ने उत्पाद मदिरा नीति को स्वीकृति दी।नयी उत्पाद नीति एक माह में लागू की जायेगी। सरकार ने कहा है कि खुदरा बिक्री अब निजी हाथों में रहेगी। होलसेल का जिम्मा राज्य सरकार (जेएसबीसीएल) के हाथों में रहेगा।राज्य में कुल 1,453 शराब की दुकानें हैं। सभी दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से होगा। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बैठक के बाद संवाददाताओं को यह जानकारी दी।एनसीसी कैडेट्स का दैनिक भत्ता 150 से बढ़ाकर 210 रुपएः कैबिनेट की बैठक में 70 साल से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना से से जोड़े जाने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। इसके अलावा एनसीसी कैडेट्स का दैनिक भत्ता 150 से बढ़ाकर 210 रुपए प्रतिदिन किये जाने को भी मंजूरी प्रदान की गई। मधुपुर शहरी

जलापूर्ति योजना के लिए कुल 76 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गयी। बैठक में विश्व बैंक संपोषित झारखण्ड म्युनिसिपल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत 10 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गयी। सेवानिवृत्त लिपिकों की सेवा नियमित करते हुए उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई।सरकारी कार्यक्रम उड़ान के लिए मनोनय के आधार पर विमान सेवा की अवधि विस्तार की गयी।

बड़कीटांड़-तीनपललली-डोकीडीह-गिरनिया मोड़ पथ निर्माण कार्य के लिए 55 करोड़ रुपए की राशि को मंजूरीः गिरिडीह के बड़कीटांड़-तीनपलली-डोकीडीह-गिरनिया मोड़ पथ निर्माण कार्य के लिए 55 करोड़ रुपए की राशि को मंजूरी दी गयी। हजारीबाग के शेख भिखारी चिकित्सा महाविद्यालय, दुमका के फूलो-झानो चिकित्सा महाविद्यालय और पलामू के मेदिनीराय चिकित्सा महाविद्यालय के लिफ्ट के रखरखाव के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। कारखाना संशोधन विधेयक को स्वीकृति दी गयी। पूरक पोषाहार के तहत वितरण एजेंसी के अवधि विस्तार को स्वीकृति भी प्रदान की गई।नये जेल मैन्युअल को स्वीकृति के साथ व्यावासिक शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए शुल्क का निर्धारण भी किया गया।

किसान की बेटी प्रज्ञा सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा में बनी स्कूल टॉपर

जिले में टॉप टेन में बनाई जगह,चौथा स्थान हुआ हासिल

सीए बनना चाहती है प्रज्ञा

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के तरवागड़ा गांव के किसान की बेटी ने जिला भर में अपना नाम रोशन किया है। कड़ी मेहनत ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा में जिला भर में उसे चौथा स्थान दिलाया है।13 मई मंगलवार को 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित की गई। जिसमें चतरा जिला से टॉप टेन में हंटरगंज तरवागडा की प्रज्ञा यादव का नाम था। उसने चौथा स्थान प्राप्त किया।इधर जिला में टॉप टेन आने के बाद गांव में हर्ष का माहौल है। गांव में लोगों की काफी भीड़ है और सभी प्रज्ञा को बधाई दे रहे हैं।

प्रज्ञा ने बताया कि वे किसान परिवार से है। उसके पिता कृषि का काम करते हैं और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं।प्रज्ञा डीएवी चतरा में 12वीं की पढ़ाई कर रही थी और उसने स्कूल ही नहीं बल्कि जिला में भी अपना परचम लहराया है। प्रज्ञा ने बताया कि वह घर में करीब 8 घंटे तक पढ़ाई करती थी और जरूरत पड़ने पर अपनी मां के कामों में हाथ भी बंटाती थी। जिला में चौथे स्थान प्राप्त करने के बाद प्रज्ञा के घर मुखिया प्रतिनिधी दिलीप दास पहुंचे और बेटी को आशीर्वाद दिया।

सीए बनने के लिए कॉमर्स विषय को चुनाः प्रज्ञा ने बताया कि उसे पढ़ाई के लिए परिवार का भरपूर

सपोर्ट मिलता था। जिसे देखकर प्रज्ञा ने मन में ख्वाहिश रखा है कि वह आगे चलकर सीए की तैयारी करेगी और अब उसका सपना सीए बनने का है।

गांव के लोग प्रज्ञा के घर उसे बधाई देने के लिए पहुंचेः गांव के लोग प्रज्ञा के घर उसे बधाई देने के लिए लोगो का तांता लगा रहा काफी संख्या में लोग पहुंचे।

जो बनना चाहे, वह बनेगीः प्रज्ञा के पिता सुरेश यादव का कहना है कि प्रज्ञा शुरू से पढ़ाई में अच्छी थी। इसके जिला में चौथी रैंक आने पर सभी में काफी खुशी है और वह पढ़ लिखकर जो भी बनना चाहती है, वहीं वह बनेगी। प्रज्ञा आगे की पढ़ाई जारी रखेगी।

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

खूंटी से अफीम लाकर चतरा में ब्राउन शुगर तैयार करते थे तस्कर

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः चतरा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 15 लाख रुपए मूल्य के 639 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों में गिद्धौर थाना क्षेत्र के सलगा गांव निवासी धर्मेंद्र यादव उर्फ धनंजय यादव तथा गिद्धौर निवासी दीपक कुमार दांगी का नाम शामिल है। उक्त आशय की जानकारी एसपी विकास कुमार पांडेय ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि उन्हें सूचना प्राप्त हुई थी कि गिद्धौर थाना क्षेत्र के गिद्धौर से रोहमर जाने वाले रास्ते में कुछ व्यक्तियों के द्वारा ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री किया जाने वाला है। उक्त सूचना के आलोक में सिमरिया एसडीपीओ शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने रोहमर मार्ग पर लोटार डैम के पास धर्मेंद्र यादव और दीपक कुमार दांगी को 639 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। इनके पास से एक मोटरसाइकिल, एक स्कूटी व दो मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

खूंटी से अफीम लाकर चतरा में ब्राउन शुगर बना रहे हैं तस्करः एसपी ने बताया कि चतरा के अफीम व शुगर ब्राउन तस्कर

झारखंड के खूंटी इलाके से अफीम की खरीदारी कर हजारीबाग के रास्ते चतरा ला रहे हैं। चतरा और हजारीबाग के सीमावर्ती जंगली इलाकों में अफीम से ब्राउन शुगर बनाने की प्रोसेसिंग का काम तस्करों द्वारा किया जा रहा है। तैयार ब्राउन शुगर को चतरा, हजारीबाग तथा राज्य के अन्य जिलों में अपने सहयोगियों के साथ में बेचा जा रहा है। तस्कर तैयार ब्राउन शुगर को छोटे छोटे पुड़िया में ब्राउन शुगर के एडिक्ट लोगों को बेच रहे हैं। एसपी ने बताया कि इस गिरोह में शामिल 11 नामजद तस्करों के विरुद्ध गिद्धौर थाना कांड संख्या 34/25 दिनांक 14 मई 2024 धारा 111(2)(बी), बीएनएस ए व 17(सी)/21(सी)/22(सी)/27(ए)/28/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं गिरफ्तार दोनों तस्करों को जेल भेज दिया गया है। जबकि एफआईआर में शामिल अन्य नौ तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसमें कुछ खूंटी के भी तस्कर शामिल हैं।

चतरा में अफीम खेती पर लगा अंकुश तो तस्करों ने खूंटी की ओर किया पलायनः झारखंड में अफीम की खेती की शुरूआत चतरा जिले से ही हुई है। वर्ष 2005-6 में जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र में अफीम की खेती शुरू हुई थी। अफीम की खेती में अथाह पैसा होने के कारण देखते ही देखते इसकी खेती जिले के सभी प्रखंडों में शुरू हो गई। पहले लोग अफीम की खेती करते थे और रॉ मेटेरियल दिल्ली, पंजाब, हरियाणा में बेच देते थे। इसके बाद चतरा में ही अफीम से ब्राउन शुगर बनाने का धंधा जोर पकड़ा। लेकिन पुलिस की और से अफीम की खेती और अफीम तस्करों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहा। इस वर्ष चतरा पुलिस ने व्यापक अभियान चलाकर चतरा में अफीम की खेती होने से लगभग रोक दिया। सभी थानों की पुलिस महीनों तक जंगली इलाकों में लगाए गए अफीम की खेती को ट्रेक्टर से रौंदती रही। इसका परिणाम हुआ कि इस बार चतरा जिले में अफीम की खेती पर अंकुश लग गया। इसके बाद अफीम के कारोबार में जुटे तस्कर खूंटी की ओर पलायन कर गए।

डीएवी और सीसीएल प्रबंधन के बीच एमओयू

पिपरवार (चतरा): सीसीएल पिपरवार अवार्ड क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर चालु होने की सभी प्रक्रिया पुरी कर ली गई है।सीसीएल प्रबधंन और डीएवी संस्था के बीच एमओयू एग्रीमेन्ट हो चुका है।डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर मे नये प्राचार्या के रूप मे डॉ. अभिलाषा सिंह की नियुक्ति हो चुकी है। गुरुवार को डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर की प्राचार्या डॉ अभिलाषा सिंह और डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा की प्राचार्या डॉक्टर आर चौधरी ने पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार से मुलाकात कर सीसीएल प्रबधंन और डीएवी संस्था के बीच हुए एमओयू एग्रीमेन्ट की कॉपी सौंपा।इस संबंध में स्कूल प्रबंधन की ओर से बताया गया सीसीएल प्रबधंन और डीएवी संस्था के बीच एमओयू एग्रीमेन्ट होने के बाद अब सोमवार 18 मई से डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर मे नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगा। स्कूल में कक्षा बाल वाटिका से लेकर कक्षा पांचवी तक के बच्चों का नामांकन शुरू किया जाएगा।अभिभावक अब अपने बच्चों का नामांकन करा सकते हैं। ज्ञात होगी पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के विस्थापित ग्रामीणों की वर्षों से लंबित मांग अब पूरी हो जाएगी। कल्याणपुर डीएवी स्कूल खोलने की सारी कागजी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।ज्ञात हो कि वर्ष 2015 में भारत के तत्कालीन कोयला मंत्री पीयूष गोयल के द्वारा कल्याणपुर में डीएवी स्कूल का उद्घाटन किया गया था,लेकिन करीब 10 वर्ष बीत जाने के बावजूद स्कूल शुरू नहीं हो सका था।वर्तमान पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार के अथक प्रयास के बाद अब स्कूल चालू होने वाला है। इससे पिपरवार क्षेत्र के विस्थापित ग्रामीणों में खुशी की लहर देखी जा रही है।

जमीन कारोबारी पर गोलीबारी मामले में 12 के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज

चतराः बीते 11 मई को शहर के बभने में पाराडीह गांव के रहने वाले जमीन कारोबारी बंधू यादव के साथ हुई गोलीबारी की घटना को लेकर गुरुवार को सदर थाना में 12 लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। घायल बंधू यादव के फर्द बयान पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नगर नेता शहर के गुही तालाब निवासी बिट्टू गुप्ता, बभने निवासी होटल संचालक नरेश यादव, पाराडीह गांव निवासी नीरु यादव, नीरु यादव का पुत्र, संतोष यादव, लालदेव यादव, किशुनपुर मोहल्ला निवासी पवन साव, बभने निवासी गोल्डेन सोनी, राजकुमार सोनी, रामबिलास यादव, दर्जी बिगहा मोहल्ला निवासी मो आजम व चर्च रोड़ निवासी जितेंद्र यादव के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। थाना को दिए फर्द बयान में घायल बंधू यादव ने बताया है कि वह 11 मई की रात लगभग आठ बजे अपने घर के पास स्थित मंदिर से दर्शन कर वापस घर जा रहा था।

तीन जिलों में मनरेगा लोकपाल की नियुक्ति टली

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम सहित तीन जिलों में मनरेगा लोकपाल की नियुक्ति फिलहाल टल गई है। वैसे कुल पांच मनरेगा आयुक्त नियुक्त होने वाले थे। इनमें राज्य स्तर पर दो अपीलीय प्राधिकरण भी शामिल हैं। मनरेगा आयुक्त ने इसके लिए 19 जुलाई, 2023 को जो विज्ञापन जारी किया था, उसे अपरिहार्य कारणवश रद्द कर दिया गया है। जिन अन्य दो जिलों में मनरेगा लोकपाल की नियुक्ति होनी थी, उनमें बोकारो और दुमका जिले भी शामिल हैं।

बिरहोर परिवारों के बीच चलाया जागरूकता अभियान

गिद्धौर (चतरा): प्रखंड मुख्यालय के जपुआ टोला में निवास करने वाले आदमी जनजाति परिवारों के बीच कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में बच्चों का नामांकन करवाने को लेकर विद्यालय वार्डन बिंदु पोद्दार के द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया।साथ ही आदिम जनजाति परिवार के लोगों से विद्यालय में बच्चों का नामांकन कराने को लेकर प्रेरित किया गया। मौके पर बिरहोर परिवार के बच्चों के साथ साथ अभिभावक उपस्थित थे।

रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर में पोषण पखवाड़ा का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : स्थानीय मुख्यालय क्षेत्र स्थित रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर चतरा में पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विद्यालय के उपाध्यक्ष विजय कुमार खंडेलवाल, सह सचिव दिनेश कुमार खंडेलवाल, मुख्य अतिथि कोषाध्यक्ष राजेश कुमार खण्डेलवाल एवं समिति के सदस्य श्याम सुंदर खंडेलवाल रहे। कार्यक्रम की शुरूआत रिबन काटने के साथ किया गया। पखवाड़ा में विद्यालय के कक्षा 8 से कक्षा 10 तक के भैया बहनों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक पोषण से भरपूर व्यंजन और उसे बनाने की विधि, व्यंजन खाने से प्राप्त पोषक तत्व, हानि अथवा लाभ को चार्ट पर लिखकर प्रस्तुत किया गया।वही प्रैक्टिकल के रूप में बना हुआ व्यंजन का भी प्रदर्शन किया गया जिसमें भारतीय व्यंजनों को घरों में अधिक से अधिक प्राथमिकता देने की बात कही गई एवं जागरूक किया गया ।इस अवसर पर विदेशी व्यंजन नूडल्स, चाऊमीन, बर्गर

जिसे खाकर लोग बीमार हो रहे हैं और उसमें कोई भी न्यूट्रिशन नहीं होता है उसके बारे में बताया गया एवं उसके स्थान पर इन पोषक से भरपूर व्यंजन को कैसे अपनाना है।हमारे आसपास की चीजों से बने खाने को प्राथमिकता देने के प्रयास किया गया। इस पखवाड़ा में सभी प्रकार के व्यंजनों का रसास्वादन भी आए हुए अतिथियों ने किया और इसकी प्रशंसा की। भैया बहनों ने एक से बढ़कर एक व्यंजन का निर्माण किया। व्यंजनों मेवदलिया का हलवा, गाजर का हलवा, महुआ का हलवा,सोया सलाद, मक्के की रोटी, इटली, सूजी का हलवा, लिट्टी चोखा, पनीर बटर मसाला, आटा से बना पास्ता, आटे का मोमोज, अमजोरा, पपीता का हलवा, सोया जूस, पोहा, लेमन जूस, मैंगो जूस,भाजी, वेजिटेबल जूस, आलू पराठा, चना मसाला, बीट जूस, महुआ का लड्डू, इत्यादि प्रमुख थे। इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विद्यालय के आचार्या सुकृति कुमारी एवं विद्यालय के आचार्य सुनीर कुमार, अजय कुमार, गणेश कुमार, सत्यम कुमार, मनोज कुमार ने अहम भूमिका निभाया। वही विद्यालय के प्रधानाचार्य राहुल कुमार सिंह ने अवलोकन करते हुए कहा कि हमें अपने प्राचीन भारतीय व्यंजनों को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि उसमें भारी मात्रा में पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जिससे हम बीमार नहीं होते और हमारा शरीर स्वास्थ्य रहता है। पुराने जमाने के लोग 100 से भी अधिक साल तक जीवित रहते थे। जिसका कारण उनके द्वारा लिए गए न्यूट्रिशन था।आज हमारे समाज में बाहरी भोजन नूडल्स इत्यादि आ गए हैं, जो हमें पोषक तत्व देता तो नहीं है लेकिन अनेक प्रकार का बीमारियों का कारण बन जाता है । अतः इसे त्याग करना चाहिए और भारतीय व्यंजनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

गर्मी से मिलेगी राहत, बदलेगा मौसम होगी झमाझम बारिश, चलेगी तूफानी हवा

- 27 अप्रैल को फिर बदलेगा मौसम, राज्य में अगले दो से तीन दिन चलेगी लू, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

संवाददाता

रांची: राज्य में मौसम में बदलाव का दौर शुरू हो गया है। राजधानी समेत राज्य के दक्षिणी भाग स्थित कोल्हान के जिले सरायकेला खरसांवा, पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम में तेज हवा के साथ कुछ जगहों पर बारिश हुई। तेज गति से हवा चलने और बारिश होने के कारण इन जगहों पर उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम

वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 16 मई के बाद से झारखंड में गर्मी में थोड़ी कमी आने की उम्मीद है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी के चलते हल्की बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। उन्होंने लोगों से गरज के समय घरों के अंदर रहने और सुरक्षित रहने की अपील की है। इस दौरान लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को दोपहर बाद राजधानी के ऊपर बादल छाए और तेज हवा के साथ डोरंडा, हिनू आदि क्षेत्रों में हल्की बारिश हुई। रांची का अधिकतम तापमान गुरुवार को 37.9 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 17 मई के बाद राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाएंगे। मौसम में बदलाव के कारण रांची समेत राज्य के कुछ हिस्सों में तेज हवा के साथ बारिश होगी। राज्य में 20 मई को अधिकांश हिस्सों में बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम में बदलाव की इस प्रक्रिया के कारण 20 तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने जमशेदपुर और आसपास के इलाके में गुरुवार को दिन भर उमस के बाद दोपहर बाद तीन बजे आंधी और बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। लगभग एक घंटे तक आंधी और बारिश से शहर की सड़कों पर वाहनों की रफ्तार लगभग थम सी गई थी। बारिश थमने के बाद सड़कों पर आवागमन सामान्य हुआ। शहर का अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 26.0 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, 4.2 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है।

कार सीखने के दौरान नाबालिग ने दो लोगों को कुचला, एक की मौत, एक घायल

संवाददाता

रांची: राजधानी के लालपुर थाना क्षेत्र स्थित डिस्टीलरी पुल के पास 14 साल के नाबालिग ने सड़क पर जा रहे दो लोगों को कुचल दिया। इसमें एक की मौत हो गई और एक शिक्षका घायल हो गयी। घायल हुई प्रीति डीएवी नंदराज में शिक्षिका हैं। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। आरोपी ने बताया कि वो घर से कार सीखने के लिए निकला

था। इसी दौरान गाड़ी पर नियंत्रण नहीं होने से इसकी चपेट में दो लोग आ गये। मृतक प्रदीप किसी काम से पैदल घर से निकले थे और शिक्षिका भी पैदल ही स्कूल जा रही थी। कार तेज रफ्तार में थी। ऐसे में नाबालिग उस पर नियंत्रण नहीं रख पाया और दोनों को धक्का लग गया। मौके पर ही प्रदीप और प्रीति गिरकर घायल हो गये। इसके बाद नाबालिग ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। आज सुबह लगभग 8 बजे इलाज के दौरान प्रदीप ने दम तोड़ दिया। मृतक प्रदीप मिंज मूल रूप से सिमडेगा जिला के कुरूदेग के रहने वाले थे।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता महिला ग्लोरिया लुगुन, उम्र लगभग–30 वर्ष, एवं उनके साथ उनका बेटा अंश लुगुन, उम्र–करीब 09 वर्ष, पति– जुनाथन लुगुन, सा0–अम्बापानी, थाना–टी0टांगर, जिला–सिमडेगा, राज्य–झारखण्ड , जो दिनांक–25.04.2025 को अपने मायके कहुपानी से ससुराल अम्बापानी के लिये निकली थी परन्तु अपने ससुराल अबतक नहीं पहुँची है । गुमशुदा महिला एवं उनके बेटे की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिनका विवरणी निम्नवत् है:–

ग्लोरिया हुलिया की विवरणी :–
लिंग :– स्त्रीलिंग
उम्र :– वर्तमान उम्र–30 वर्ष
रंग :– साँवली
बाल :– काला
ऊँचाई :–5 फीट
भाषा :–सादरी एवं हिन्दी।

बेटा अंश का हुलिया की विवरणी :–
लिंग :– पुलिंग
उम्र :– वर्तमान उम्र–09 वर्ष
रंग :– साँवला
बाल :– काला
ऊँचाई :–4 फीट
भाषा :–सादरी एवं हिन्दी।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता महिला एवं उनके बेटे के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, टी0टांगर – मोबाइल नं0–9431706232
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0 – मोबाइल नं0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा

PR 352431 Simdega(25-26)#D

नन्हे बचपन प्ले स्कूल में समर कैंप, बाबूलाल हुए शामिल

मेट्रो रेज

रांची: नन्हे बचपन प्ले स्कूल में समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बाबूलाल मरांडी, पूर्व पार्षद सुरेश साहू, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता संतोष , संत फ्रांसिस पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल डी चाल्स , नन्हे बचपन प्ले स्कूल की प्रधान अध्यापिका श्रावणी फौजदार, भारतीय जनता पार्टी के नेता मनीष केसरी, योगा टीचर पूजा सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर रुपेश केसरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया ।

समर कैंप में बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया ,और अपने कौशल का प्रदर्शन किया। आज पहले सत्र में बच्चों को जादू का शो दिखाया गया। जिसका स्कूल के बच्चों के साथ-साथ सभी उपस्थित अतिथियों व शिक्षिकाएं ने आनंद उठाया। मुख्य अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की

और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन के माध्यम से नन्हे बचपन प्ले स्कूल ने एक बार फिर से अपनी प्रतिष्ठा और गुणवत्ता का प्रदर्शन किया।

झारखण्ड वुशु एसोसिएशन का अपने पदाधिकारियों के लिए एग्जीक्यूटिव वर्कशॉप आज से

मेट्रो रेज

रांची : झारखण्ड वुशु एसोसिएशन द्वारा अपने जिला और राज्य स्तर के पदाधिकारियों के लिए एग्जीक्यूटिव वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत उनके लिए वुशु खेल के झारखण्ड और भारत में विकास, उसके तकनीकी पहलुओं की जानकारी आदि की चर्चा की जाएगी । इसके तहत राज्य में वुशु खेल के विकास के विभिन्न मसलों पर गहन परिचर्चा की जाएगी और वुशु खेल के झारखण्ड में विकास के नये आयाम की रूप रेखा तय की जाएगी।

इस वर्कशॉप में झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के और विभिन्न जिलों के पदाधिकारी शामिल होंगे. यह वर्कशॉप दो दिनों का होगा जिसका आयोजन द विलेज रिसॉर्ट सिल्ली में दिनांक 16 और 17 मई को किया जा रहा है। कल दोपहर 12 बजे इस वर्कशॉप का उद्घाटन किया जाएगा।

वक्फ कानून पर केंद्र सरकार से दोबारा विचार करने की अपील

सभी टूरिस्ट प्लेस पर अस्पताल, पुलिस व इंटेलिजेंस चौकी जरूरी: अरशद खान

संवाददाता

रांची: केंद्र सरकार से अपील है कि जो वक्फ कानून 2025 बना है वह हिंदुस्तान के संविधान के खिलाफ है। संवैधानिक व्यवस्था है कि सभी मजहब की अपनी प्रापर्टी व जो अपनी इबादतगाहें हैं। संविधान कहता है कि उस इबादतगाह की कमेटी में उसी के धर्म के मानने वाले लोग सदस्य होंगे। बौद्ध, जैन, ईसाई, सरना, हिंदू, सिख इन सबकी कमेटी में उसी मजहब के लोग होंगे। फिर वक्फ कानून में ऐसा परिवर्तन क्यों ? उक्त बातें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व विधायक जौनपुर उत्तर प्रदेश सह राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत किसान यूनियन मो अरशद खान ने कहीं। वह शुक्रवार 16 मई 2025 को रांची मोरहाबादी स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में प्रेस को संबोधित कर रहे थे। वह पांच दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हैं कि वक्फ कानून जो आप ने बनाया है उस पर फिर से गौर करे और जो मुसलमानो कि बड़ी तंजीमे हैं उससे मशवरा करके संविधान के मुताबिक बनाएं। अगर आप मुसलमानों के साथ सभी मजहब के लोगों को इंसाफ और बराबरी देंगे तो चंद्रगुप्त महान, अशोक महान, और अकबर महान की श्रृंखला में आप का नाम जुड़ जाएगा। साथ ही उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा के हम पहलगाम हमले का कड़ी निंदा करते है।

रोस्पा टॉवर के थर्ड फ्लोर पर लगी आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका

रांची : रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के मेन रोड में स्थित रोस्पा टॉवर के थर्ड फ्लोर पर आग लग गई। आग लगने की यह घटना गुरुवार रात को हुई है। जहां एक दुकान में आग लग गई। आग लगने के वजह से वहां मौजूद कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। जिसके बाद इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। मौके पर दमकल वाहन पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट होने के वजह से आग लगी है। हालांकि आग लगने की सही वजह अब तक पता नहीं लग पाया है। आग लगने की घटना में कितने का नुकसान हुआ है, इसका आकलन भी बाद में पता चल पाएगा।

दी सेलर नॉट रेस्टोरेंट में रोबोट वेटर का शुभारंभ

मेट्रो रेज

रांची: कल शाम, शहर के प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट दी सेलर नॉट में एक ऐतिहासिक पहल के तहत राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अभयबॉट (रोबोट वेटर) का शुभारंभ किया। यह अत्याधुनिक रोबोट अब रांचीवासियों को रेस्टोरेंट में भोजन परोसने, अतिथियों का स्वागत करने और टेबल सर्विस में सहयोग प्रदान करेगा।कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने कहा, तकनीक का ऐसा उपयोग रांची जैसे शहर के लिए गर्व की बात है। इससे ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिलेगा। मौके पर मंत्री ने दोनों रोबोट का नाम पलाश और महुआ रखा।

यह रांची शहर का पहला रेस्टोरेंट है, जहाँ इस प्रकार का सर्विस रोबोट नियमित रूप से उपयोग में लाया गया है। इस

अवसर पर वित्त मंत्री ने कहा कि मैं अक्सर अपने परिवार के साथ इस रेस्टोरेंट में आता हूँ और यह नई पहल निःसंदेह सराहनीय है। इससे ग्राहकों को नई सुविधा व अनुभव मिलेगा। दी सेलर प्रबंधन प्रबंधन ने जानकारी दी कि यह अभयबॉट रेस्टोरेंट में भोजन परोसने, टेबल क्लियर करने और विशेष अवसरों पर अतिथियों का स्वागत करने जैसे कार्य करेगा। वित्त सचिव प्रशांत कुमार, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अजय कुमार सिंह, गृह सचिव वंदना डाडेल, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, कृषि सचिव अबूबकर सिद्दीकी, योजना विकास सचिव मुकेश कुमार, वाणिज्य-कर सचिव अमिताभ कौशल, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, भवन सचिव अरवा राज कमल, पथ सचिव सुनील कुमार, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन, पेयजल एवं स्वच्छता सचिव मस्तराम मीना, विशेष सचिव बी राजेश्वरी, परिवहन सचिव विप्रा भार, सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–टेण्डर निविदा सूचना
(दोहरी पेकेट ई–आरए के बिना)

शुद्धिपत्र नं.–4

कार्य का नाम व लोकेशन: उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के आरई–एडब्ल्यूआर–बीकेआई, बीकेआई–जेपी, जेपी–एफएल–एमडी और आरई–आरजीएस–एफएल खंडों में 160 किमी प्रति घंटे के लिए मौजूदा ओएचई के संशोधन के साथ 1 x 25 केवी से 2 x 25 केवी ट्रैक्शन सिस्टम में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम के उन्नयन के लिए डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। (कुल 581.43 आरकेएम/1210.82 टीकेएम) ई–टेण्डर भरने की मूल अंतिम तिथि और समय: 15.00 hrs. on 16.05.2025 निविदा सूचना संख्या NWR/El/Proj/2x25kV/JP/01 (दो पैकेट प्रणाली बिना ई–आरए) जारी की गई है जो 23.04.2025 और 24.04.2025 को समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थी, जिसकी निविदा समाप्ति तिथि 16.05.2025 (15.00 बजे) है। इस क्रम में निम्नलिखित शुद्धिपत्र जारी किया जाता है: ई–टेंडर की समाप्ति की तिथि 28.05.2025 (15.00 बजे) तक बढ़ा दी गई है।

559-PM/25 उप मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना

हमें NWRailways NWRailways पर फॉलो करें

Annexure1

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER MINOR IRRIGATION DIVISION, RAMGARH

e-Procurement portal
Two Envelope system
Tender Reference No. WRD/MID/RAMGARH/B.D./M.M.S.L.I - 01/2025-26
Date :- 15/05/2025

1.	Name of the work	Construction of Mukhya Mantri Solar Lift Irrigation Scheme Padariya, Block- Mandu, Dist- Ramgarh
2.	Estimated (BoQ)Cost (Rs.)	Rs. 1,24,03,199.78
3.	Cost of Tender Document (Rs.)	Rs. 10,000.00
4.	Earnest Money Deposit (Rs.)	Rs. 1,24,032.00
5.	Time of Completion	335 Days
6.	Mode of Submission of tender	Online through www.jharkhandtenders.gov.in
7.	Date of Publication of Tender on website (http://jharkhandtenders.gov.in)	19.05.2025 At 02:00 PM
8.	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	09.06.2025 At 05:00 PM
9.	Last Date/Time for Submission of Tender Fee and EMD	09.06.2025 At 05:00 PM
10.	Technical Bid Opening Date	11.06.2025 At 02:00 PM
11.	Officer Inviting Bids	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Ramgarh
12.	Contact number & Email ID of e-procurement officer	06553-231173/8292457160 eemidramgarh24408@gmail.com
13.	Helpline number of e-procurement cell	0651-2491232

Note :- (1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may Increase or Decrease.
(3) Work will be awarded to those bidders (specially MNRE approved channel partners/MNRE approved manufacturers/ MNRE approved PV system integrators/ A registered manufacturers/Company/Firm/ Corporation in India (including MSME of Jharkhand) of at least one of the major sub system namely pumps or PV System electronics (confirming to National/ International Standards)/ any other agencies having experience of installation and commissioning of such solar powered irrigation schemes). Empanelled Indigenous Manufacturers of 10 HP pumps (AC Surface Motor Pumps) in the department with all accessories for off-grid standalone SPV water pumping systems can also take part in the bid for executing the whole work of the bid. However those bidders who have not yet registered in Water Resources Department can also submit their bid provided they will have to get themselves registered in Water Resources Department within two months from the date of allotment of work.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़।

PR.NO.352551 Minor Irrigation(25-26):D

श्री हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री राम महायज्ञ में कलश यात्रा का आयोजन

हमारी सांस्कृतिक विरासत व पहचान है कलश यात्रा: अनीता

मेट्रो रेज

लातेहार: श्री हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री राम महायज्ञ (बस स्टैंड हेरहंज दुर्गा मंडप के पास)में आज सुबह भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया है, जिसमें जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी शामिल हुई। श्री हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री राम महायज्ञ (बस स्टैंड हेरहंज दुर्गा मंडप के पास) आज सुबह भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया है, जिसमें उपाध्यक्ष अनीता देवी सहित हेरहंज और हेरहंज के आस पास के गांवों की महिलाओं ने कलश लेकर गांव का भ्रमण करते हुए करनदाग नदी तक पहुंचीं। करनदाग नदी में श्री स्वामी शेशनारायणाचार्य जी महाराज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ घाट पूजा की गयी। इसके बाद कलश में जल भर कर गाजे-बाजे के साथ कन्याओं व महिलाओ ने कलश यात्रा शुरू की। कलश यात्रा के आगे उपाध्यक्ष तथा अन्य

जनप्रतिनिधि, राम भक्त व ग्रामीण कलश यात्रा के साथ यज्ञशाला पहुंचे। जहां अतिथियों का सम्मान कमेटी के सदस्यों द्वारा किया गया । इसके उपरांत आरती और भोग वितरण का कार्यक्रम किया गया । मौके पर उपस्थित जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी ने बताया कि कलश यात्रा भारतीय संस्कृति की एक अत्यंत पवित्र और भावनात्मक परंपरा है। यह किसी धार्मिक आयोजन, मंदिर स्थापना, यज्ञ, या कथा आरंभ से पूर्व की जाती है। इसमें महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश रखकर भक्ति गीतों के साथ शोभायात्रा निकालती हैं। कलश में जल, आम के पत्ते और नारियल रखा जाता है, जो पवित्रता, समृद्धि और देवताओं का प्रतीक होता है। यह न केवल एक धार्मिक परंपरा है, बल्कि यह हमारी आस्था, संस्कृति और एकता का प्रतीक भी है।

कलश, जो जल, धातु और मंत्रों से पूजित होता है, ब्रह्मांड की ऊर्जा और देवत्व का प्रतिनिधित्व करता है। जब हम कलश को लेकर यात्रा करते हैं, तो हम केवल एक परंपरा का निर्वाह नहीं करते, बल्कि अपने गांव, अपने समाज और अपने जीवन में शुभता, समृद्धि और शांति के प्रवेश का आह्वान करते हैं।

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची।
E-mail id – csofficeranchi@yahoo.com

e-Tender No. : 1842 Date 14-5-2025

ई– अल्पकालीन निविदा

राँची सर्जेन्सी के सदर अस्पताल, एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के लिए बाह्य स्त्रोत के माध्यम से पारामेडिकल कर्मी एवं अन्य तकनीकि कर्मियों की व्यवस्था करने हेतु बाह्य स्त्रोत एजेन्सी के चयन हेतु निबंधित एजेन्सी/भेन्डरों से दिनांक 17.6.2025 **के अपराह्न 5.00 बजे** तक ई– अल्पकालिन निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा से संबंधित तकनीकि विवरण /संबंधित नियम/शर्त आदि बेव साईट jharkhandtenders.gov.in पर दिनांक 19.5.2025 से देखा जा सकता है। प्री–बिड बैठक 27.5.2025 के अपराह्न 2 PM अधोहस्ताक्षरी कार्यालय कक्ष में होगा जिसमें निविदाता भाग ले सकते हैं। निविदा से संबंधित किसी प्रकार का परिवर्तन /शुद्वि पत्र बेव साईट jharkhandtenders.gov.in पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,राँची।

PR 352518 (Health Med Edu and Family Welfare) 25-26 (D)

सुविचार

गीता में कहा गया है जो आपकी भावनाओं को जानकर भी आपको तकलीफ दे वो कभी अपना हो ही नहीं सकता

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों के विनाश और सैकड़ों आतंकियों की अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए। पाकिस्तान की सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी-बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिए हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिए गए होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है। साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की हवा निकाल दी। एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा। पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है। भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए। जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्किये और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा। इसमें कोई दोराय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वादा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिए हैं, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है। विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक बात भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया। यह बात जान लीजिए कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान की आतुरता का मुख्य कारण यह था कि उसे लगा कि पहले अपने अस्तित्व को बचाना आवश्यक है। वो उस नीति पर चल रहा था कि बचेंगे, तो भविष्य में लड़ेंगे। तो उसने अपना बचाव कर लिया है। और वह भविष्य में लड़ेगा यह मान कर चलिए। निकट समय में ही आपको किसी ने किसी आतंकवादी घटना का दुखद समाचार सुनने, देखने और पढ़ने को मिलेगा। पाकिस्तान रुकने वाला नहीं है। वास्तव में जिस दिन पाकिस्तान आतंकवाद रोक देगा, उसके अस्तित्व का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और हमारे सैन्य बल पाकिस्तान के चरित्र से परिचित हैं। इसलिए राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में उन्होंने तमाम अहम बातों के अलावा यह भी स्पष्ट कर दिया की ऑपरेशन सिंदूर अभी स्थगित ही हुआ है। अर्थात यह कि आतंक के विरुद्ध भारत का एक्शन जारी रहेगा।

पाकिस्तान में गृह युद्ध के हालात?

पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्रवाई करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है। जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था।

सुरेश हिंदुस्तानी

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्रवाई को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है। यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपनों ने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषने वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छुप कर बैठे हैं। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं। पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्रवाई करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है। जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक विद्वेष इतना है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह अपने पूर्ववर्ती सत्ता प्रमुख को ठिकाने लगाने को ही अपना प्रमुख कार्य मानता है। अभी शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने अपने से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया। पाकिस्तान में ऐसा पहली बार नहीं हुआ। ऐसा पहले भी हो चुका है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की नियति बन चुका है। जिसके कारण पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में बहुत गंभीर मतभेद हैं। आज पाकिस्तान में भले ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो भी सरकार में शामिल हैं। कभी एक दूसरे के धुर विरोधी रहे यह दोनों दल बेमेल गठबंधन करके पाकिस्तान में सरकार चला रहे हैं। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इन दोनों दलों का एक ही उद्देश्य था, इमरान खान को सत्ता में आने से रोकना। सबसे ज्यादा सीट प्राप्त करने के बाद भी इमरान को विपक्ष की भूमिका से संतुष्ट होना पड़ा। अब इमरान खान के समर्थक युद्ध विराम के बाद सरकार के विरोध में अभियान छेड़े हुए हैं। इसी प्रकार ब्लूचिस्तान की भूमिका के बारे में सब जानते हैं। बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना पर कई बार आक्रमण करके यह जता दिया है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जंग के बीच ब्लूचिस्तान ने भी पाकिस्तान की सेना को निशाना बना कर कई आक्रमण किए। इससे पूर्व ब्लूचिस्तान के लड़ाकों ने जफर एक्सप्रेस को हाई जैक करके पाकिस्तान की सरकार के समक्ष चुनौती पूर्ण हालात पैदा कर दिए थे। ब्लूचिस्तान लम्बे समय से पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहा है। दूसरी ओर पाकिस्तान के अंदर सिंध और पंजाब में भी कई बार सरकार के विरोध में स्वर मुखरित हो चुके हैं। कहा जाता है कि इन दोनों राज्यों के साथ सरकार ने उपेक्षित व्यवहार किया है। इसके कारण पाकिस्तान की सरकार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। यह सारी स्थिति पाकिस्तान को गृह युद्ध की ओर भी ले जा सकती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल संधि को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बाईस अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल संधि को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है। इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल संधि के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ। इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति-नीति का समझा जा सकता है। नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है। भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत का संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है। 2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, "ख़ून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।" मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षा बलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था, ₹सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।₹ अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, ₹सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है। भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल संधि को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तजा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, ₹सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।₹ पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है। सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ 'बदलावों' के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की 'समीक्षा' करने की भी बात की थी। इसमें 'सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों' का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि 'सीमा पार से आतंकवाद' इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। 15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि यह संधि अभी निरस्त ही रहेगी । भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में साफ कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं। सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत् उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा र साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब ओर सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा। भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान से बात होगी तो टेररिज्म पर होगी पाकिस्तान से बात होगी..तो पीओके पर होगी। अब पाकिस्तान को यह तय करना है कि वो आतंकवादियों का साथ देगा या फिर अपने प्यासे खेतों और नागरिकों की प्यास बुझाने के लिए शांति और शालीनता के मार्ग का चुनाव करेगा।

(लेखक, राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार हैं।)

एकदंत संकष्टी चतुर्थी पर करें भगवान गणेश की पूजा

अध्यात्म

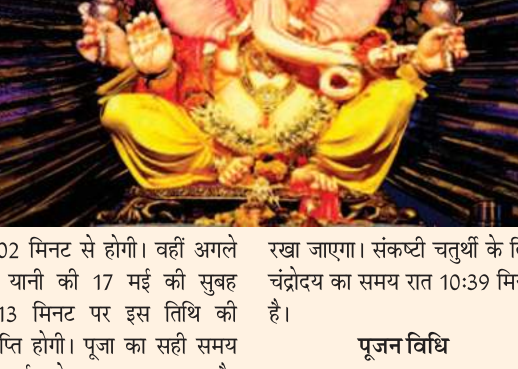

हर साल ज्येष्ठ माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को एकदंत संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है। यह तिथि भगवान श्री गणेश को समर्पित होती है। इस दिन व्रत करने वाले जातकों का जीवन परेशानियों और विघ्नों से छूट जाता है। वहीं भगवान गणेश को विघ्नहर्ता माना जाता है। इसलिए इस दिन भगवान गणेश के एकदंत स्वरूप की पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं कई महिलाएं एकदंत संकष्टी चतुर्थी का व्रत संतान की दीर्घायु और सुरक्षा के लिए रखती हैं। तो वहीं कुछ दंपति इस व्रत को संतान प्राप्ति की इच्छा से रखते हैं।

तिथि और समय

हिंदू पंचांग के मुताबिक संकष्टी चतुर्थी तिथि की शुरूआत 16 मई की सुबह 04:02 मिनट से होगी। वहीं अगले दिन यानी की 17 मई की सुबह 05:13 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। पूजा का सही समय चंद्र दर्शन के बाद माना जाता है। इसलिए यह व्रत 16 मई 2025 को रखा जाएगा। संकष्टी चतुर्थी के दिन चंद्रोदय का समय रात 10:39 मिनट है।

पूजन विधि

एकदंत संकष्टी चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी स्नान आदि कर भगवान गणेश के समक्ष व्रत का संकल्प लें। अब पूजा स्थल की साफ-सफाई करके भगवान गणेश की मूर्ति या चित्र स्थापित करें। अब भगवान गणेश का गंगाजल से अभिषेक करें। फिर उनको लाल या पीले वस्त्र पहनाएं। अब हल्दी, चंदन और कुमकुम से श्रीगणेश का श्रृंगार करें और उनके पीले या लाल फूल व दूर्वा घास अर्पित करें। इसके बाद धूप-दीप कर आरती करें। पूजा के दौरान 'ऊँ गं गणपतये नमः' या 'ऊँ वक्रतुण्डाय हुं' मंत्र का जाप करें। फिर संकष्टी व्रत कथा का श्रद्धापूर्वक पाठ करें। वहीं चंद्रोदय के बाद चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित करें और व्रत का पारण करें। व्रत खोलने के बाद सात्विक भोजन ग्रहण करना चाहिए और सामर्थ्य अनुसार गरीबों व जरूरतमंदों को दान करें।

सेहत

तांबे के बर्तन में पानी पीते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

भारत में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। वहीं भारतीय ग्रंथों में भी तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने के कई फायदे बताए गए हैं। इस पानी को पीने से दिल और दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं। साथ ही इम्यूनिटी मजबूत होती है, वेट कम करता है, एंटी एजिंग और टैनिंग भी कम करता है। तांबे का पानी पीने से पाचन बेहतर होने के साथ इम्यूनिटी बढ़ती है और एंटीऑक्सीडेंट जैसे फायदे भी मिलते हैं। हालांकि इसका इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए। बता दें कि कॉपर बहुत शक्तिशाली होता है। लेकिन हर शक्तिशाली चीज की तरह इसको भी संतुलन के साथ इस्तेमाल करना चाहिए। भले ही यह इम्यूनिटी बढ़ाने, नेचुरल एंटी-ऑक्सीडेंट्स और पाचन सुधारने के रूप में काम कर सकता है। लेकिन इसका अधिक इस्तेमाल आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। असल में हर एक चीज की सीमा होता है। ऐसे में अगर शरीर में ज्यादा तांबा जमा हो जाए, तो इसका असर जहर जैसा हो सकता है। इससे आपके पेट में जलन, उल्टी, पेट दर्द और जिंक के संतुलन में गड़बड़ी हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक आपको दिन भर तांबे का पानी पीने या फिर उसमें नींबू मिलाने या गर्म करने की आवश्यकता नहीं है। आप साधारण तापमान वाले एक या दो मग तांबे के पानी का सेवन कर सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 website : www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगा

साहिबगंज/बरहरवा : कालू पंचायत के रामनगर हाटपाड़ा भवानंदपुर,के पास ट्रांसफार्मर जल जाने कि सूचना ग्रामीणों के कहने पर बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास ने प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम को दिया था।प्रदेश महासचिव ने तुरंत संज्ञान लेते हुए बिजली विभाग को निर्देश दिया था कि जल्द से जल्द रामनगर हाटपाड़ा एवं भवानंदपुर के पास 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया जाय। बिजली विभाग ने तत्परता दिखाते हुए 14 मई को नया ट्रांसफार्मर लगवा दिया।एवं आज बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास ने फीता काट कर ट्रांसफार्मर का विधिवत उद्घाटन किया! इसके लिए ग्रामीणों ने प्रदेश कांग्रेस महासचिव जनाब तनवीर आलम एवं बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास का आभार जताया तथा पूरे कांग्रेस टीम का आभार जताया।मौके पर आफताब आलम,रामनगर पंचायत अध्यक्ष अनारुल खान,वार्ड सदस्य इंताज शेख,दाऊद शेख ,मोकाबिर शेख,कमाल शेख,अजहर शेख, सिद्दीक शेख,सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

मुकेश राय का शव जिरवाबाडी पुलिस घट्टा टोली में बरामद

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा पंचगढ़ निवासी मुकेश राय 35 वर्ष का शव जिरवाबाडी पुलिस घट्टा टोली में बरामद किया है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया। जहां डाक्टर ने पोस्टमार्टम किया।मृतक का भतीजा राजेश कुमार राय ने बताया कि दो तीन दिन पहले मेरे चाचा मुकेश राय और चाची बुधनी देवी में किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गया था।जिससे गुस्से में आ कर मेरी चाची घर छोड़ कर अपनी माइके चली गई। इसके बाद चाचा मुकेश लगातार शराब का सेवन करने लगे और पहले से भी शराब पीते थे। बुधवार को हुआ सुबह घर से निकले और शाम तक घर वापस नहीं आए । रात में सभी मिलकर उनकी खोजबीन भी किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। गुरुवार से सुबह खेत में एक शव मिलने की सूचना मिली जाकर देखा तो मेरे चाचा मृत अवस्था में पड़े थे। फिर इसकी जानकारी जिरवाबाडी पुलिस को दिया गया।इधर पुलिस को सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन करते हुए मुकेश राय के शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम करने के बाद शव को स्वजनों को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि मुकेश कुमार राय राजमिस्त्री का काम करता था। वह अपने पीछे दो बेटा सागर कुमार उम्र दस वर्ष और शिवम कुमार उम्र पांच वर्ष एवं पत्नी बुधनी देवी को छोड़ गया।वही जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले कि जांच की जा रही है।

हर एक भारतीय कोमातृभूमि की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए : बजरंगी महतो

साहिबगंज : हिंदू धर्म रक्षा मंच के झारखंड प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने कहा है कि व्यक्ति को अपनी मातृभूमि, पितृभूमि,जन्मभूमि, कर्मभूमि के साथ-साथ अपनी सांस्कृति भूमि की रक्षा के लिए भी संकल्प लेना चाहिए,क्योंकि यह धरती हमारी माँ जैसी है।बजरंगी महतो ने कहा कि देश की मिट्टी का कर्ज चुकाना कोई आसान काम नहीं,यह तो जीवन की हर साँस में देशभक्ति का संकल्प मांगता है।उन्होंने कहा की जिस धरती पर जन्म लिया है,उसकी रक्षा,सेवा और सम्मान करना हमारा धर्म है।सैनिक अपनी जान देकर इस कर्ज को अदा करते हैं,किसान अपने पसीने से और शिक्षक ज्ञान देकर।हर नागरिक अगर अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझे तो यह कर्ज धीरे-धीरे उतरता है।प्रदेश महासचिव ने आगे कहा कि देश की मिट्टी सिर्फ जमीन नहीं यह हमारी पहचान,हमारी माँ और हमारी आत्मा है।आओ कुछ ऐसा करें कि ये मिट्टी हम पर गर्व करे। हर एक सच्चे भारतीय को अपनी मातृभूमि की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए।

संजीव हत्याकांड के आरोपी लव कुमार ने न्यायलय में किया आत्मसमर्पण

साहिबगंज : चर्चित व्यवसायी संजीव कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डू की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा सामने आया है। इस हत्याकांड में आरोपी लव कुमार ने गुरुवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, साहिबगंज की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में लेते हुए साहिबगंज जेल भेज दिया है।

ज्ञात हो कि 4 मई 2025 की शाम 7:30 बजे कॉलेज रोड स्थित चैती दुर्गा मंदिर के समीप स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में घुसकर अज्ञात अपराधियों ने संजीव गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। और व्यवसायियों में भय का माहौल व्याप्त हो गया था। घटना के तुरंत बाद मृतक की मां मंजू देवी ने नगर थाना में अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसे कांड संख्या 74/2025 के तहत संज्ञान में लिया गया। जांच के क्रम में पुलिस ने कुश कुमार को हिरासत में लिया।जिसके बयान के आधार पर लव कुमार का नाम इस हत्याकांड में सामने आया पुलिस ने मामले के कथित मास्टरमाइंड पंकज मंडल को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पंकज मंडल ने इस पूरी घटना की योजना बनाई थी।और लव कुमार सहित अन्य आरोपियों को अंजाम तक पहुंचाने का निर्देश दिया था।

चाचा ने की नौ वर्षीय भतीजे की हत्या, गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/पतना : बीते दिन रविवार को रांगा थाना क्षेत्र अर्जुनपुर खोखरोटोला से नौ वर्षीय आदिवासी बच्चे के पत्थर से कुचलकर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया था,जो दिल दहला देने वाला था ।मामले का खुलाशा करते हुए बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने प्रेस कॉफ्रेंस कर बताया कि रांगा थाना पुलिस को अर्जुनपुर के ग्रामीणों से संध्या लगभग 5:30 बजे सूचना मिली की गाँव के ही एक व्यक्ति नटवा सोरेन का पुत्र रसका सोरेन उम्र-9 वर्ष का हत्या अज्ञात व्यक्तियों द्वारा की गई है साथ ही पूल के निचे शव को छिपा दिया गया है,सूचना के सत्यापन व आवश्यक कार्यवाही हेतु वरीय

पदाधिकारियों को सूचित करते हुए निदेर्शानुसार रांगा थाना पुलिस व शास्त्र बल के साथ अर्जुनपुर पहुँचकर मामले की आवश्यक छानबीन की गई,आवेदिका जमनी टुडू पति-नटवा सोरेन सा.अर्जुनपुर खोखरो टोला थाना-रांगा जिला-साहेबगंज के लिखित आवेदन पर रांगा थाना कांड संख्या 55/2025 दिनांक-14 मई धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के अंतर्गत अज्ञात अपराधकर्मी के विरुद्ध दर्ज की गई।और अनुमंडल पुलिस पदधिकारी नितिन खंडेलवाल के निर्देश पर मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी गई।जांच में मृतक के चाचा लिलह 28वर्ष सोरेन पिता-स्व रसका सोरेन सा-अर्जुनपुर खोखरोटोला थाना -रांगा जिला-साहेबगंज की संलिप्तता सामने आई जिसके बाद बरहरवा एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। जिसमें बरहरवा पुलिस निरीक्षक सुधीर कुमार पोद्दार, रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव, पु.अ.नि. गौरव भगत, स.अ.नि.कमेश्वर मरांडी, स.अ. नि अरविंद सोरेन सशश्त्र बल शामिल थे,टीम ने छापेमारी कर मुख्य आरोपी लिलह सोरेन को गिरफ्तार कर लिया तत्पश्चात उसने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकर कर लिया है,साथ ही पुलिस ने अपराध में प्रयुक्त खून लगा पत्थर,मृतक का खून लगा चप्पल,गुलेल,और घटनास्थल से खून लगा हुआ छोटे छोटे पत्थर के टुकड़े को भी बरामद कर लिया है।

चाचा ने अपने ही भतीजे की हत्या सिर्फ सम्पत्ति के लालच में कर दी जो घोर अमनिवियता को प्रदर्शित करता है।पूरे घटनाक्रम से आस पास के इलाके में हड़कम्प मची थी।

पेयजल समस्या के शिकायत के बाद जांच करने पहुंचे विधायक प्रतिनिधि

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : पिछले दिनों कोटालपोखर पंचायत के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक निसात आलम को पेयजल की समस्या से अवगत करवाया था।श्रीमती आलम के निदेर्शानुसार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने पीएचईडी विभाग के जुनियर इंजीनियर उमेश मंडल को साथ लेकर कोटलपोखर पंचायत के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण कर चापाकल जलमीनार का निरीक्षण किया।जुनियर इंजीनियर उमेश मंडल को निर्देश दिया गया कि सभी खराब चापाकल को यथाशीघ्र मरम्मत करवाकर पेय जल बहाल करवाया जाए।साथ ही खराब पड़े जलमिनर जो पूर्व में मुखिया के द्वारा निर्माण कराया गया था, उसका भी मरम्मती करवाकर पेयजल बहाल कराने के लिए स्थानीय मुखिया सेरोफिना मुर्मू को

निर्देश दिया गया। कोटालपोखर में ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत पेयजल का सप्लाई जो टंकी से हो रहा था वह अभी वर्तमान में ऑपरेटर के द्वारा मनमानी तरीके से कार्य नहीं करने के कारण पानी का सप्लाई बंद है।सभी ऑपरेटरो को निर्देश दिया गया कि दो दिनों के अंदर काम पर लौटकर पानी सप्लाई का कार्य शुरू करें,ताकि लोगों को पेय जल की समस्या से निजात मिले।ग्रामीणों के शिकायत पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने अपने कार्यकताओं के साथ बड़ा सोनाकर पंचायत के निमजोल एवं सीउली डांगा ग्राम में भी खराब पड़े चापाकल एवं जालमीनार का जायजा लिया तथा विभागीय पदाधिकारी को यथाशीघ्र मरम्मती करवाकर पेयजल बहाल कराने का निर्देश दिया।मौके पर मुखिया सेरोफिना हेंब्रम,उप मुखिया पति बिनोद भगत,विकास कुमार सिंह,रणजीत भंडारी,समीम मंसूरी,बिनोद घोष,मदन पाण्डेय, सगीर मंसूरी,नूर अंसारी,अब्दुर रज्जाक,हबीबुर रहमान सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

बच्चों के बीच चलाया गया जागरूकता अभियान

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के निदेर्शानुसार चाइल्ड हेल्पलाइन व मंथन संस्था के सहयोग से तालझारी प्रखंड अंतर्गत राजकीय बुनियादी मध्य विद्यालय व मॉडल स्कूल तालझारी में बच्चों के बीच जागरूकता कार्यक्रम किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देख रेख चंदा कुमारी एवं शोभा कुमारी द्वारा किया गया।जहां बच्चों को संबोधित कर बताया गया कि बाल विवाह एक कानूनी अपराध है।बाल विवाह बच्चों को उनकी शिक्षा और विकास के अवसरों से वंचित कर देता है।बाल विवाह बच्चों को कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं,जैसे कि गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं और शिशु मृत्यु दर का खतरा बढ़ा देता है।बाल विवाह बच्चों को सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित कर देता

है।बाल विवाह को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं।जैसे कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम,2006 बाल अनुशासन से संबंधित उन्होंने बताया कि बच्चों को यौन शोषण,यौन उत्पीड़न और बाल पोर्नोग्राफी से बचाना,1992 में बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के अनुसमर्थन के बाद इस कानून को लागू किया गया।18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के साथ यौन दुर्व्यवहार,यौन हमला या यौन शोषण अपराध माना जाता है।ऐसे अपराध की सूचना 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर पर करे।बाल विवाह बाल तस्करी बाल मजदूरी स्पॉन्सरशिप आफ्टर केयर योजना सावित्रीबाई फुले योजना आदि योजनाओं संबंधित चर्चा किया गया। मौके पर संजीव कुमार अंशु मालाकर आदि मौजूद रहे।

यूजी सेमेस्टर-1 ओल्ड कोर्स की परीक्षा तिथि घोषित

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका ने स्नातक सेमेस्टर-1 सीबीसीएस ओल्ड कोर्स के विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह परीक्षा 28 मई से 31 मई 2025 तक आयोजित की जाएगी। सभी विषयों की परीक्षाएं द्वितीय पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होंगी। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 28 मई को सभी विषयों का कोर-1, 29 मई को कोर-2, 30 मई को जनरल इलेक्टिव-1 और 31 मई को एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स की परीक्षाएं संपन्न होंगी। यह परीक्षा उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जा रही है जो सीबीसीएस प्रणाली के अंतर्गत ओल्ड कोर्स के स्नातक सेमेस्टर-1 में पूर्व में अनुतीर्ण हो चुके हैं।गौरतलब है कि इन विद्यार्थियों की लंबे समय से यह मांग रही थी कि विश्वविद्यालय उनके लिए विशेष परीक्षा का आयोजन करे ताकि वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें।

लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन करें : उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जिला उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में भू-अर्जन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिले में चल रहे विभिन्न भू-अर्जन मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर जोर देते हुए संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे समयबद्ध ढंग से कार्य करें और प्रक्रियाओं को सुगम बनाएं। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भू-अर्जन की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी आवश्यक दस्तावेजों को व्यवस्थित रखा जाए और अधिग्रहण कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो।इस दौरान जनहित से जुड़े विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को तेज करने पर विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द लंबित कार्यों को पूरा करें। इस अवसर पर अपर समाहर्ता गौतम भगत,अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद, परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, भू अर्जन पदाधिकारी छोटेश्वर दास, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत सभी अंचलाधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने किया रेलवे स्टेशन के गुड्स शेड का निरीक्षण

दुमका : जिले के उपायुक्त अंजनेयुलु दोड्डे के नेतृत्व में जिला स्तरीय संयुक्त कमिटी ने दुमका रेलवे स्टेशन में कोयला के भंडारण और परिवहन के कारण होने वाले प्रदूषण के रोकथाम हेतु गुरुवार को स्टेशन के गुड्स शेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कोयला के भंडारण एवं परिवहन से होने वाले प्रदूषण को रोकने हेतु रेलवे को दिये गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की। अधिकारियों से बात करते हुए उपायुक्त ने पर्यावरण मंजूरी की शर्तों का अनुपालन तथा प्रतिवादी संख्या 5 द्वारा कोयले के परिवहन के संबंध में भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय और इस न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्टोन चिप्स साइडिंग व अन्य जगहों पर लगे वाटर स्प्रिंकलर तथा रास्ते में वाटर टैंकर के माध्यम से लगातार पानी का छिड़काव करने का निर्देश दिया। मौके पर जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारी, प्रदूषण विभाग के अधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

रेलवे पुलिस ने एक अज्ञात 75 वर्षीय बुजुर्ग शव बरामद

साहिबगंज : रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म संख्या एक पर बुधवार की रात्रि रेलवे पुलिस ने एक अज्ञात 75 वर्षीय बुजुर्ग शव बरामद किया हैं। रेल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जहां रेल पुलिस की छानबीन के दौरान बुजुर्ग का शिनाख्त किया गया। मृतक बुजुर्ग जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के पोखरिया निवासी विजय पासवान 75 वर्ष हैं। बताया जा रहा है कि मृतक विजय पासवान जहां रह रहे थे उसके पुत्र ने उसे जमीन को बेच दिया। जिसके बाद से विजय पासवान इधर-उधर भटकते रहते थे।कभी अपनी पुत्री के यहां रहते थे तो कभी स्टेशन पर ही रह जाते थे। इधर रेल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करने के बाद शव को स्वजनों को सौंप दिया। रेल पुलिस यूडी केस दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा विशेष अभियान चलाने का निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक आत्मा साहिबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक बीटीएम व सहायक तकनीकी प्रबंधक एटीएम ने भाग लिया।बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा कृषि से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे बीज विनिमय व वितरण योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना, किसानों का ब्लॉकचेन में निबंधन केसीसी, मिट्टी नमूना संग्रह आरकेवीवाई-पीडीएमसी योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना आदि की प्रगति की समीक्षा की गई।उन्होंने निर्देश दिया कि दिनांक 19 मई से 30 मई तक विशेष अभियान चलाकर सभी प्रखंडों में लक्ष्य अनुरूप मिट्टी नमूना संग्रह का कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, ब्लॉकचेन में छूटे हुए किसानों के निबंधन का कार्य

प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, जिसमें विशेष रूप से पीवीटीजी समुदाय को आच्छादित करने का निर्देश दिया गया। बीज वितरण हेतु आवश्यक तैयारी पूर्ण करने का भी निर्देश दिया गया।बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत संकुल चयन में एसटी/पीवीटीजी समुदाय को प्रमुखता देने का निर्देश दिया गया। आत्मा योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, किसान समृद्धि योजना आदि की विस्तृत जानकारी दी गई तथा लाभुकों के चयन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। एसएमएई योजना के अंतर्गत ब्लॉक एक्शन प्लान बनाने की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सभी प्रखंडों को निर्देश दिया गया कि 02 दिनों के भीतर एक्शन प्लान बनाकर समर्पित करें। जिला कृषि पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी तकनीकी कर्मी यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र के किसानों को कृषि विभाग और आत्मा द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्राप्त हो, जिससे वे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़कर समृद्ध बन सकें।इस अवसर पर किसान समृद्धि योजना के तहत साहेबगंज प्रखंड के 10 कृषकों एवं मंडरो प्रखंड के 2 कृषकों सहित कुल 12 कृषकों के बीच सोलर पम्प सेट का वितरण जिला कृषि पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। इस योजना के अंतर्गत कृषकों को 90% अनुदान पर 2एचपी चलंत सोलर पम्प सेट उपलब्ध कराया गया। कृषक अंशदान के रूप में एसी पम्प सेट हेतु ?18075 एवं डीसी पम्प सेट हेतु ?18175 निर्धारित है। मुख्य रूप से जिला कृषि अभियंता राम प्रकाश कुमार, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोगता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मंटू कुमार एवं संबंधित प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, बीटीएम एवं एटीएम उपस्थित थे।

दादा साहेब फाल्के की बायोपिक बनाएंगे आमिर खान और राजकुमार हिरानी

आमिर खान ने अपने फैंस को एक और बड़ी खुशखबरी दे दी है। वह प्रसिद्ध निर्देशक राजकुमार हिरानी के साथ मिलकर भारतीय सिनेमा के पितामह कहे जाने वाले दादा साहेब फाल्के के जीवन पर आधारित एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। यह परियोजना हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए बेहद खास मानी जा रही है। दादा साहेब फाल्के को भारतीय सिनेमा का जनक कहा जाता है, और उनके सम्मान में भारत सरकार ने फिल्म जगत का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार 'दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड' शुरू किया है। अब तक हिंदी सिनेमा में किसी ने भी भारतीय फिल्मों की शुरुआत और इस ऐतिहासिक सफर को बड़े पर्दे पर पेश नहीं किया है। आजादी की लड़ाई के दौर में जन्मी यह कहानी एक ऐसे दूरदर्शी निर्माता-निर्देशक की है, जिसने भारतीय सिनेमा की बुनियाद रखी। अब इस प्रेरणादायक यात्रा को फिल्म में दिखाने के लिए आमिर खान बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। राजकुमार हिरानी और आमिर खान की जोड़ी ने पहली बार 2009 में रिलीज हुई फिल्म '3 इडियट्स' में साथ काम किया था। करीब 55 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी और इसने दुनियाभर में लगभग 400 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। इसके बाद दोनों ने 2014 में 'पीके' के जरिए दूसरी बार हाथ मिलाया। इस फिल्म का बजट 122 करोड़ रुपये था और इसने बॉक्स ऑफिस पर करीब 769 करोड़ रुपये का जबरदस्त कारोबार किया था।इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर महीने से शुरू होने जा रही है। आमिर खान अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' के रिलीज होते ही इस बायोपिक के लिए अपने किरदार की तैयारियों में जुट जाएंगे। राजकुमार हिरानी बीते चार वर्षों से इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे। फिल्म को दादा साहेब फाल्के के पोते चंद्रशेखर श्रीकृष्ण पुसालकर का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने न सिर्फ फाल्के के जीवन की अनसुनी बातें शेयर की हैं, बल्कि बायोपिक को वास्तविकता के करीब ले जाने के लिए हरसंभव मदद कर रहे हैं।

हिम्मत सिंह लौटेंगे एक नए मिशन के साथ, 'स्पेशल ऑप्स 2' की हुई घोषणा

केके मेनन की वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स' को दर्शकों ने खूब सराहा था। लॉकडाउन के दौरान इस सीरीज ने लोगों का दिल जीता और हिम्मत सिंह के किरदार ने खास पहचान बनाई। बाद में 'स्पेशल ऑप्स 1.5' में दिखाया गया कि हिम्मत सिंह कैसे बना। अब जियो प्लस हॉटस्टार ने 'स्पेशल ऑप्स सीजन 2' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। केके मेनन एक बार फिर ईमानदार और समर्पित अधिकारी के रूप में लौटेंगे, जो देश के लिए हर खतरा उठाने को तैयार है। 'स्पेशल ऑप्स सीजन 2' की घोषणा ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो प्लस हॉटस्टार ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए की है। टीजर में एक बार फिर रॉ के मुख्यालय की हलचल दिखाई गई है, जहां सभी अधिकारी एक नए मिशन के लिए कमर कस रहे हैं। केके मेनन उर्फ हिम्मत सिंह एक बार फिर अपनी टीम का नेतृत्व करते नजर आएंगे। विनय पाठक उनके भरोसेमंद सहयोगी की भूमिका में लौटे हैं, जबकि सैयामी खेर ऐक्शन मोड में दिखती हैं, जो अलग-अलग लोकेशनों पर दुश्मनों का सफाया कर रही हैं। इस बार एक और खास नाम जुड़ गया है। प्रकाश राज, टीजर में उनकी झलक देखने मिली है, और उम्मीद की जा रही है कि इस सीजन में केके मेनन और प्रकाश राज के बीच तीखी टक्कर देखने को मिलेगी। जियो प्लस हॉटस्टार ने हाल ही में 'स्पेशल ऑप्स सीजन 2' की पहली झलक शेयर की है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि यह सीरीज अगले एक या दो महीनों में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे सकती है। इस बार भी केके मेनन अपने चर्चित किरदार हिम्मत सिंह के रूप में लौट रहे हैं। उनके साथ विनय पाठक, सैयामी खेर, ताहिर राज भसीन, दलीप ताहिल और गौतमी कपूर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। 'स्पेशल ऑप्स सीजन 2' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

अजय देवगन के बेटे युग 'कराटे किडः लीजेंड्स' से कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू

हाल ही में मुंबई में फिल्म 'कराटे किडः लीजेंड्स' के हिंदी ट्रेलर लॉन्च का आयोजन किया गया। इस मौके पर अजय देवगन अपने बेटे युग के साथ नजर आए। कार्यक्रम में कई बच्चे कराटे की पोशाक में कराटे के मूव्स करते दिखाई दिए। 14 वर्षीय युग देवगन ने इस इवेंट के जरिए एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कदम रखा है। हालांकि, वह अभी तक ऑन-स्क्रीन नजर नहीं आए हैं। युग जल्द ही 'कराटे किडः लीजेंड्स' नामक इंटरनेशनल फिल्म में अपनी आवाज देने वाले हैं। इस फिल्म में अजय देवगन ने जैकी चैन के किरदार को अपनी आवाज दी है, जबकि उनके बेटे युग ने ली फोंग के किरदार के लिए डबिंग की है। इसी सिलसिले में हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जहां अजय देवगन अपने बेटे युग के साथ फिल्म के प्रमोशन के लिए पहुंचे। इस मौके पर पिता-बेटे की जोड़ी ने अपनी बॉन्डिंग से सभी का दिल जीत लिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक युवा लड़के ने अजय की सुपरहिट फिल्म 'सिंघम' को लेकर जो प्रतिक्रिया दी, उसने वहां मौजूद सभी को चौंका दिया।बेटे युग के साथ नजर आए अजय देवगन अजय देवगन और उनके बेटे युग ने अपनी आने वाली हॉलीवुड फिल्म 'कराटे किडः लीजेंड्स' के हिंदी प्रमोशन के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिरकत की। इस फिल्म में अजय ने जैकी चैन के किरदार को आवाज दी है, जबकि युग ने ली फोंग के किरदार में डबिंग की है। फैंस अजय और काजोल के बेटे युग के बारे में जानने के लिए काफी उत्साहित नजर आए। इसी दौरान युग से उनके पिता की सुपरहिट फिल्म 'सिंघम' का फेमस डायलॉग बोलने को कहा गया। युग ने बड़ी समझदारी से जवाब दिया, ₹दोस्त, क्या तुम एक दिन में सिंघम बना सकते हो?₹ उनका यह जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी लोग तालियों की गड़गड़ाहट में झूम उठे।

तलाक के बाद पहली बार बॉयफ्रेंड संग नजर आईं एक्ट्रेस कोंकणा सेन शर्मा

अभिनेत्री, निर्देशक कोंकणा सेन शर्मा अपनी बेहतरीन एक्टिंग और हुनर के लिए जानी जाती हैं। 'वेक अप सिड' और 'मेट्रो' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय की काफी प्रशंसा हुई। 'लस्ट स्टोरीज़ 2' में उनके निर्देशन के लिए भी उनकी प्रशंसा की गई। कोंकणा आजकल अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसी अफवाहें हैं कि वह एक अभिनेता को डेट कर रही हैं जो उनसे सात साल छोटा है। कोंकणा सेन शर्मा और रणवीर शौरी का 2020 में तलाक हो गया था, जिससे उनकी 10 साल लंबी शादी का अंत हुआ। दोनों का एक बेटा है, जिसकी परवरिश कोंकणा अकेले कर रही हैं। अब कोंकणा की ज़िंदगी में एक नया चेहरा जुड़ गया है। खबरों के मुताबिक, कोंकणा अभिनेता अमोल पाराशर को डेट कर रही हैं। हाल ही में रिलीज़ हुई अमोल की वेब सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' की एक खास स्क्रीनिंग के दौरान दोनों पहली बार सार्वजनिक रूप से साथ नजर आए। दोनों ने मीडिया के सामने मुस्कुराते हुए एक साथ पोज दिए, जिससे उनकी डेटिंग की चर्चाएं और भी तेज हो गई हैं। अमोल पाराशर एक प्रतिभाशाली हास्य अभिनेता हैं, जिन्हें वेब सीरीज 'ट्रिपलिंग' से खास पहचान मिली थी। हाल ही में उन्हें टीवीएफ की नई सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिला है, जिसमें वह दिग्गज अभिनेता विनय पाठक के साथ नजर आ रहे हैं। इस सीरीज को दर्शकों और समीक्षकों से खूब सराहना मिल रही है। 'पंचायत' जैसी सफल सीरीज के निर्माताओं ने एक बार फिर गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित यह हल्की-फुल्की और मनोरंजक कहानी पेश की है, जो दर्शकों के दिल को छू रही है। अमोल पाराशर ने पहले एक इंटरव्यू में यह स्वीकार किया था कि वह एक गंभीर रिश्ते में हैं। हालांकि, उन्होंने अपने पार्टनर का नाम उजागर नहीं किया था, क्योंकि वह चाहते हैं कि लोग उन्हें उनके काम के लिए पहचानें, न कि निजी जिंदगी के लिए। अमोल और कोंकणा सेन शर्मा की जोड़ी को 2019 में रिलीज़ हुई फिल्म 'डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे' में साथ देखा गया था। अब दोनों के रिश्ते की चर्चा एक बार फिर सुर्खियों में है।–

'हाउसफुल 5' का दूसरा गाना 'दिल-ए-नादान' रिलीज

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हाउसफुल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। यह फिल्म 6 जून को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। रिलीज से पहले मेकर्स ने 'हाउसफुल 5' का नया गाना 'दिल-ए-नादान' दर्शकों के लिए पेश किया है। इस रोमांटिक ट्रैक को मधुबंती बागची और सुमंतो मुखर्जी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके खूबसूरत बोल मशहूर गीतकार कुमार ने लिखे हैं। अक्षय कुमार के साथ 'हाउसफुल 5' में रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडिस, श्रेयस तलपड़े, नोरा फतेही और जॉन अब्राहम भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फरदीन खान, नाना पाटेकर, डिनो मोरिया, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, चित्रांगदा सिंह, चंकी पांडे और जॉनी लीवर भी फिल्म में अभिनय का रंग बिखेरेंगे। गौरतलब है कि फिल्म का पहला गाना 'लाल परी' पहले ही दर्शकों के बीच आ चुका है। इस मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं।

गोविंदा के साथ अपने रिश्ते पर सुनीता आहूजा ने दिलचस्प किस्सा साझा किया

अपनी फिल्मों और डांसिंग स्टाइल से सबको दीवाना बनाने वाले गोविंदा की पर्सनल लाइफ भी हमेशा चर्चा में रही है। हाल ही में उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने एक इंटरव्यू में रिश्तों के उतार-चढ़ाव और पारिवारिक संघर्षों पर खुलकर बातचीत की। खास बात यह रही कि उन्होंने गोविंदा की मां से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। सुनीता ने बताया, ₹जब मेरी और गोविंदा की शादी हुई थी, तब वह अपने बड़े परिवार के साथ रहते थे। हमारे रिश्ते में कई चुनौतियां थीं, लेकिन मैं उन्हें बेहद प्यार करती थी। आज भी मैं उसी वजह से उनके घर पर रह रही हूं। उनकी मां ने गोविंदा से कहा था, 'चीची, अगर तुम सुनीता को छोड़ दोगे, तो एक दिन भिखारी बन जाओगे।' उनकी ये बात मुझे आज भी याद है। हाल ही में गोविंदा और सुनीता की शादी टूटने की अफवाहों ने काफी सुर्खियां बटोरीं। मगर सुनीता आहूजा ने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, ₹मुझे नहीं पता किसकी नजर लग गई है, लेकिन मैं किसी भी हाल में अपने पति को खुद से दूर नहीं जाने दूंगी।₹ अपने रिश्ते को लेकर सुनीता ने बताया कि उनकी सास ने हमेशा उनका साथ दिया, जबकि मेरे पापा तो मेरी शादी में भी शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने मेरे लिए हॉलैंड में एक लड़का तक पसंद कर लिया था, लेकिन मेरा प्यार सच्चा था। मैं सिर्फ 15 साल की थी, जब मैंने गोविंदा का हाथ थामा था। गोविंदा और सुनीता की पहली मुलाकात उस वक्त हुई थी जब गोविंदा बीकॉम की पढ़ाई कर रहे थे और सुनीता 9वीं कक्षा में थीं। सुनीता अपनी बहन के घर रहती थीं, जो गोविंदा के मामा की पत्नी थीं। हालांकि, शुरुआत में हालात थोड़े मुश्किल रहे, लेकिन समय के साथ दोनों के बीच प्यार गहराता चला गया। इस कपल ने 1986 में गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी और करीब चार साल तक अपने रिश्ते को सबकी नजरों से छुपाकर रखा। आज गोविंदा और सुनीता दो बच्चों, टीना आहूजा और यशवर्धन आहूजा के माता-पिता हैं।

दिलजीत दोसांझ ने फिल्म 'नो एंट्री 2' का ऑफर ठुकराया

फिल्म 'चमकीला' से दर्शकों का दिल जीतने वाले दिलजीत दोसांझ अपने दोस्ताना और सहज स्वभाव के लिए खूब सराहे जाते हैं। हाल ही में उन्होंने मेट गाला में अपने स्टाइलिश डेब्यू से भी सबको चौंका दिया। दिलजीत न सिर्फ एक शानदार गायक हैं, बल्कि उनकी लाइव परफॉर्मेंस भी दुनियाभर में जबरदस्त हिट होती है। संगीत के साथ ही दिलजीत ने अभिनय में भी अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। इसी बीच खबर है कि दिलजीत ने हाल ही में 'नो एंट्री 2' का प्रस्ताव ठुकरा दिया है, जिसे लेकर इंडस्ट्री में चर्चा तेज हो गई है। वर्ष 2005 में आई सुपरहिट फिल्म 'नो एंट्री' को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान की तिकड़ी ने फिल्म में जमकर हंसी के फव्वारे छोड़े थे। इन दिनों इस फिल्म के सीक्वल को लेकर खूब चर्चाएं हो रही हैं। बताया जा रहा है कि 'नो एंट्री 2' के लिए अर्जुन कपूर और वरुण धवन को फाइनल कर लिया गया है। दिलजीत दोसांझ को भी इस फिल्म का ऑफर दिया गया था, जिसको लेकर वह शुरू में काफी उत्साहित थे। हालांकि, रचनात्मक मतभेदों के चलते दिलजीत ने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया। अभी तक इस मुद्दे पर न तो दिलजीत और न ही फिल्म के निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने आया है। दिलजीत दोसांझ के 'नो एंट्री 2' का ऑफर ठुकराने के फैसले पर नेटिज़ेंस ने राहत की सांस ली है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। रेडिट पर कई यूजर्स ने अपनी राय रखते हुए लिखा, ₹अच्छा हुआ दिलजीत ने इस फिल्म के लिए मना कर दिया, वो ऐसे किरदारों में फिट नहीं बैठते,₹ वहीं एक अन्य ने कहा, ₹अगर उन्होंने हां कहा होता तो यह गलत फैसला होता।₹ कुल मिलाकर फैंस को लगता है कि दिलजीत का यह फैसला उनके करियर के लिहाज से सही है।

बार्सिलोना ने जीता ला लीगा 2024-25 का खिताब, यामाल के गोल ने दिलाई जीत

एजेंसी

कॉर्नेला डे लोब्रेगेट (स्पेन) : बार्सिलोना ने गुरुवार देर रात ला लीगा 2024-25 खिताब पर कब्जा जमा लिया, जब उसने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी एस्पेन्योल को 2-0 से हराया। 17 वर्षीय स्टार लामिन यामाल ने 53वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, और इंजुरी टाइम में फर्मिन लोपेज़ के गोल ने जीत पक्की कर दी।

इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम रियल मैड्रिड से सात अंक आगे निकल गई है, जबकि लीग में केवल दो मुकाबले बाकी हैं। इसी के साथ बार्सिलोना ने अपना 28वां ला लीगा खिताब जीत लिया और घरेलू ट्रेबल (ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप) भी पूरा कर लिया।

एस्पेन्योल के मैदान पर फिर बना चैंपियन, इस बार नहीं दौड़े खिलाड़ी दिलचस्प बात यह है कि बार्सिलोना ने यह खिताब उसी एस्पेन्योल के मैदान पर जीता, जहां 2023 में भी उसे खिताबी जीत मिली थी। हालांकि उस समय नाराज़ दर्शकों ने खिलाड़ियों को मैदान से भागने पर मजबूर कर दिया था। इस बार भी एस्पेन्योल फैंस की नाराज़गी दिखी, लेकिन उन्होंने सिर्फ मैदान पर पानी के फव्वारे चला दिए जिससे बार्सिलोना के जश्न को जल्दी समाप्त करना पड़ा।

पहले हाफ में संघर्ष, फिर चमका बार्सिलोना

पहले हाफ में बार्सिलोना ने भले ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन वह कोई खास मौका नहीं बना सका। एस्पेन्योल ने काउंटर अटैक से परेशान किया और उनके खिलाड़ी जावी पुआदो को गोल करने का अच्छा मौका भी मिला, जिसे वोज्शेच शेज़नी ने शानदार तरीके से बचा लिया। दूसरे हाफ में यामाल ने शानदार अंदाज़ में गोल करके बर्फ तोड़ी। उन्होंने दाईं विंग से अंदर आते हुए बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट मारा, जो सीधे टॉप कॉर्नर में गया। यह गोल उनकी स्पेन के लिए यूरो 2024 सेमीफाइनल में किए गए गोल की याद दिला गया।

तस्कीन अहमद ने की शॉन टेट की तारीफ, कहा- टी20 विश्व कप में मददगार साबित होंगे नए कोच

एजेंसी

ढाका : बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने टीम के नए फास्ट बॉलिंग कोच शॉन टेट की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज के टीम से जुड़ने से विशेष रूप से टी20 क्रिकेट में टीम को काफी फायदा मिलेगा। तस्कीन ने यह बयान शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया। तस्कीन ने कहा, ₹वो (टेट) बहुत अच्छे फास्ट बॉलर थे और ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक खेले। सबसे बड़ी बात ये है कि हमारे सामने अब काफी टी20 क्रिकेट है और उन्होंने आधुनिक टी20 युग में खेला है। ऐसे में उनके पास बड़े टूर्नामेंट्स का अनुभव है और इससे हमें फायदा होगा। उन्होंने आगे कहा, ₹जब आप नेशनल सेटअप में होते हैं तो कोच गेम अवेयरनेस और कुछ तकनीकी पहलुओं में मदद करते हैं, लेकिन अधिकतर गेंदबाजों को खुद कोचिंग करनी होती है। हालांकि जब आपके साथ टेट जैसे बड़ी शख्सियत होते हैं, तो चीजें आसान हो जाती हैं।₹

श्रीलंका सीरीज में वापसी की उम्मीद

फिलहाल तस्कीन अपनी एड़ी की चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक पांच सेशन पूरे हो चुके हैं और उन्होंने हल्की गेंदबाजी भी शुरू कर दी है। तस्कीन ने कहा, ₹क्रिकेट बोर्ड के फिजियो, ट्रेनर और इंग्लैंड के स्पेशलिस्ट मिलकर एक रिहैब प्लान पर काम कर रहे हैं। अब तक किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई है और अगर सब कुछ ठीक रहा तो जून में होने वाली श्रीलंका सीरीज में वापसी की उम्मीद है। बता दें कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में शॉन टेट को तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इससे पहले आंद्रे एडम्स इस भूमिका में थे, लेकिन बोर्ड ने उन्हें आगे जारी नहीं रखने का फैसला किया। टेट के पास दुनिया भर में टी20 क्रिकेट खेलने और कोचिंग का अनुभव है और उन्होंने टी20 में 200 से ज्यादा विकेट चटकाए हैं।

पुंछ के सलोत्री में नियंत्रण रेखा के पास के आखिरी गांव में विस्थापित सीमावर्ती निवासियों ने अपने घरों में लौटना शुरू किया

एजेंसी

पुंछ : भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुई सहमति के बाद पुंछ के सलोत्री में नियंत्रण रेखा के पास के आखिरी गांव में विस्थापित सीमावर्ती निवासियों ने शुक्रवार को लौटना शुरू कर दिया है। नियंत्रण रेखा के पास जम्मू और कश्मीर के जिलों में हुई गोलाबारी के कारण घरों और बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है, साथ ही नागरिकों की जान भी गई है। गांव के लोगों ने भारत और पाकिस्तान के बीच बनी सहमति के लिए सरकार को धन्यवाद दिया।सलोत्री गांव के निवासी अमजीद अली ने कहा कि हम यहां रहते हैं और हमने पहली बार ऐसा कुछ होते देखा है। सरकार ने हमारी सुरक्षा के लिए हरसंभव मदद की थी लेकिन फिर भी दोनों देशों के बीच के हालात देखकर हम डर गए थे। भारतीय सेना ने भी हमें हरसंभव सुरक्षा मुहैया कराई और हमारा ख्याल रखा। हालात के बाद पूरा गांव खाली हो गया था। हम अपने गांव में वापस आ गए हैं क्योंकि वहां फिर से शांति है। एक अन्य ग्रामीण हाजी जुनियत ने सरकार से वहां बंकर बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यहां करीब 400 लोग रुके थे। जब दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ तो लोग गांव छोड़कर चले गए। प्रशासन ने हमारी देखभाल की और हमारी समस्या सुनी। आज हम अपने गांव वापस आ गए हैं। पाकिस्तान की सीमा नजदीक है लेकिन यहां पर्याप्त बंकर नहीं हैं। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि यहां बंकर बनाए जाएं। हम दोनों देशों से आग्रह करते हैं कि युद्ध समाधान नहीं है क्योंकि ऐसी स्थितियों में लोग मरते हैं। उन्होंने कहा कि हम यहां रहते हैं और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह बहुत मुश्किल है। इससे पहले गुरूवार को भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में डोर-टू-डोर सहायता अभियान चलाया, खासकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास के इलाकों में जो हाल ही में पाकिस्तानी गोलाबारी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आउटरीच प्रयास के हिस्से के रूप में सेना के जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पार की गोलाबारी से प्रभावित नागरिकों को दवाइयों और राशन सहित आवश्यक आपूर्ति वितरित की। सेना के रोमियो फोर्स के जवानों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की ताकि उनकी ज़रूरतों को समझा जा सके और मौजूदा सुरक्षा स्थिति के दौरान उन्हें आश्वस्त किया जा सके। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के लिए भारत की निर्णायक सैन्य प्रतिक्रिया थी। 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए थे। हमले के बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से गोलाबारी की और साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन हमलों का प्रयास किया जिसके बाद भारत ने समन्वित हमला किया और पाकिस्तान में 11 एयरबेसों में रडार बुनियादी ढांचे, संचार केंद्रों और हवाई क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने की सहमति की घोषणा की गई।

आरजी कर भ्रष्टाचार - तफ्तीश में सामने आए एक ही नेटवर्क से जुड़े सुराग

- संदिग्धों में पूर्व प्रिंसिपल के करीबी तीन अधिकारी भी शामिल

एजेंसी

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हुई हैवानियत और हत्या की गुत्थी अब और भी गहराती जा रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस जघन्य अपराध के पीछे आर्थिक भ्रष्टाचार से गहरा जुड़ाव होने का संदेह है। जांच एजेंसी का मानना है कि कॉलेज में पहले से चल रही वित्तीय अनियमितताओं और इस भयावह घटना के तार आपस में जुड़े हो सकते हैं। सीबीआई के एक अधिकारी के मुताबिक, युवती के साथ हुई बलात्कार और हत्या की वारदात में कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी अफसर अली खान, सुमन हाजरा और बिप्लव सिन्हा की भूमिका संदिग्ध है। एजेंसी ने इन तीनों को संदीप घोष के वित्तीय घोटालों में सहयोगी बताया है, और अब ये संदेह गहराया है कि इनका इस हत्याकांड में भी अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से कोई हाथ हो सकता है। जांच में जुटी सीबीआई टीम ने हाल ही में आरजी कर मेडिकल कॉलेज से जुड़े बलात्कार-हत्या कांड में 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया है और अब तक 12 नए लोगों के बयान दर्ज किए हैं। एजेंसी को मिले कुछ सुराग इस ओर इशारा कर रहे हैं कि इस अपराध को अंजाम देने वालों और कॉलेज में हुए आर्थिक भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के बीच कोई न कोई कड़ी ज़रूर है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2024 के अगस्त में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में करोड़ों रुपये के घोटाले के आरोप में तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष को ईडी ने गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें बलात्कार-हत्या मामले में भी गिरफ्तार किया गया। अब जांच में ये संकेत मिल रहे हैं कि दोनों मामलों के पीछे एक संगठित और प्रभावशाली नेटवर्क काम कर रहा था। सीबीआई के इस नए दृष्टिकोण से मामले को लेकर गंभीरता और बढ़ गई है। जांच एजेंसी अब इन दोनों मामलों को एक साथ जोड़कर आगे की पड़ताल कर रही है और यह आशंका जताई जा रही है कि मेडिकल कॉलेज के भीतर एक गहरी साजिश रची गई थी।

सोलन में पलटी एचआरटीसी बस, चालक की सूझ-बूझ से टला बड़ा हादसा

शिमला : सोलन जिला के अर्की क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा उस समय टल गया, जब शिमला-शीलघाट रूट पर चल रही एचआरटीसी बस सरयांज-पिपलुघाट सड़क पर पलट गई। हादसे की वजह बस में आई तकनीकी खराबी बताई जा रही है। हालांकि चालक की सूझ-बूझ से बस गहरी खाई में गिरने से बच गई और बड़ी जनहानि टल गई। जानकारी के अनुसार बस में कुल 25 यात्री सवार थे, जिनमें से 13 को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी यात्री खतरे से बाहर हैं। इस बस में कुछ स्कूली बच्चे भी सफर कर रहे थे। हालांकि सभी सुरक्षित हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में तकनीकी खराबी आने के बाद चालक ने तेजी से निर्णय लेते हुए बस को नियंत्रित किया और अधिक नुकसान होने से बचा लिया। यदि बस अनियंत्रित होकर नीचे लुढ़क जाती तो भारी नुकसान हो सकता था। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने चालक की त्वरित निर्णय क्षमता और सूझ-बूझ की खुलकर सराहना की है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया।

राजस्थान में तेज गर्मी के बीच 10 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मई की तपती गर्मी के बीच अब मौसम करवट लेता नजर आ रहा है। प्रदेश में एक ओर जहां कई जिलों में लू का कहर जारी है, वहीं कुछ इलाकों में आंधी और बारिश ने राहत के संकेत दिए हैं। मौसम विभाग ने 17 और 18 मई को प्रदेश के कुछ जिलों में आंधी और बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने चेताया है कि अगले चार दिनों तक बीकानेर और श्रीगंगानगर क्षेत्रों में लू का असर बना रहेगा। ऐसे में लोगों को दोपहर के समय सावधानी बरतने और अधिक से अधिक पानी पीने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार 17 मई को अलवर, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, झालावाड़, कोटा और प्रतापगढ़ में तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम बारिश और मेघगर्जन की संभावना है। वहीं 18 मई को बारां, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, कोटा और प्रतापगढ़ में आंधी और बारिश के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि,

शुक्रवार को प्रदेश के किसी भी जिले में आंधी या बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। सभी जिलों में तेज गर्मी और लू का असर बना रहेगा। इससे पहले गुरुवार को प्रदेश के कई जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। श्रीगंगानगर में 45.8 डिग्री के साथ इस सीजन का सबसे गर्म दिन मापा गया। बीकानेर में 44.8 डिग्री, चूरू में 44.1, जैसलमेर में 44.9 और बाड़मेर में 44.2 डिग्री तापमान रहा। जयपुर में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री रहा, जहां गर्मी से राहत देने के लिए सड़कों पर एंटी स्मॉग गन से पानी का छिड़काव किया गया। कोटा में 42.6 और जोधपुर में 42.5 डिग्री तापमान रहा। सीकर, पिलानी, भीलवाड़ा, नागौर, बारां, झुंझुनूं, पाली और दौसा जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच मापा गया। उदयपुर, प्रतापगढ़ और डूंगरपुर ऐसे जिले रहे जहां गर्मी कुछ कम रही। डूंगरपुर में 33.1 डिग्री के साथ सबसे कम तापमान मापा गया। उदयपुर में अधिकतम तापमान 38 डिग्री, जबकि चित्तौड़गढ़ में 42.3 डिग्री रहा। गुरुवार को उदयपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ और सिरोही जैसे जिलों में दिनभर तेज धूप रही, लेकिन शाम होते-होते मौसम में बदलाव देखने को मिला। इन क्षेत्रों में धूलभरी हवाओं के साथ बादल छा गए और कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई।

कोटखाई में दो युवकों से चिट्टा बरामद, गिरफ्तार

शिमला : जिला शिमला की कोटखाई पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत गुम्मा बाजार के समीप बस स्टैंड के पास दो युवकों के कब्जे से 4.82 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार कोटखाई पुलिस की टीम गुरूवार की रात इलाके में गश्त पर थी। इसी दौरान जब वे गुम्मा बाज़ार में पहुंचे तो स्थानीय बस स्टैंड के पास उन्हें दो युवकों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तलाशी लेने पर दोनों के पास से 4.82 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान आर्यन (23) पुत्र सुभाष निवासी गांव मिहानी मेलठ डाकघर रावलक्यार तहसील कोटखाई जिला शिमला और लवली (29) पुत्र जगदयाल निवासी गांव बनिबासा, डाकघर खुन्नी, उप-तहसील ननखड़ी तहसील रामपुर जिला शिमला के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 व 29 के तहत थाना कोटखाई में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ये पता लगा रही है कि आरोपी चिट्टा कहां से लाये थे और इसकी आगे कहां सप्लाई करनी थी।

पीटीआई और लाइब्रेरियन प्रतियोगी परीक्षा 2024 की मॉडल उत्तरकुंजियां जारी

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान लोक सेवा आयोग ने पीटीआई (फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर) और लाइब्रेरियन (संस्कृत कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा 2024 की मॉडल उत्तरकुंजियां जारी कर दी हैं। यह परीक्षाएं तीन, पांच और छह मई 2025 को आयोजित की गई थीं। अभ्यर्थी इन उत्तरकुंजियों को आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं और यदि किसी प्रश्न के उत्तर को लेकर कोई आपत्ति है, तो वे 17 से 19 मई 2025 की रात 12 बजे तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। जिन प्रश्नपत्रों की उत्तरकुंजियां जारी हुई हैं उनमें लाइब्रेरियन (प्रश्न पत्र - प्रथम व द्वितीय), फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर (प्रश्न पत्र - प्रथम व द्वितीय), जनरल

स्टडीज ऑफ राजस्थान (प्रश्न पत्र - तृतीय) शामिल है। आपत्तियां केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी। एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर ₹रिक्रूटमेंट पोर्टल₹ में जाकर संबंधित परीक्षा के क्वेश्चन ऑब्जेक्शन लिंक पर क्लिक करें। प्रत्येक प्रश्न पर आपत्ति दर्ज करने के लिए 100 रुपये शुल्क (सेवा शुल्क अतिरिक्त) देना होगा।
भुगतान ई-मित्र कियोस्क या पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे से किया जा सकता है। एक बार दर्ज की गई आपत्तियों में कोई संशोधन या दोबारा आपत्ति दर्ज करने की अनुमति नहीं होगी। आपत्ति दर्ज करते समय प्रामाणिक पुस्तकों या स्रोतों से प्रमाण संलग्न करना अनिवार्य है, अन्यथा आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।
केवल वही अभ्यर्थी आपत्ति दर्ज कर सकते हैं जिन्होंने परीक्षा में भाग लिया है। आपत्ति दर्ज करने की शुरुआत 17 मई से होगी, जबकि अंतिम तिथि 19 मई 2025 (रात्रि 12 बजे तक) है। इसके बाद लिंक स्वतः बंद हो जाएगा।

बजरी माफिया का पुलिस पर हमला, डीएसपी की गाड़ी में लगाई आग, एक की मौत

एजेंसी

सवाई माधोपुर : ज़िले के चौथ का बरवाड़ा क्षेत्र में गुरुवार रात एक बड़ा हंगामा हुआ जब बजरी माफिया ने पुलिस टीम पर अचानक हमला कर दिया। यह घटना डिडायच रपट के पास की बताई जा रही है। पुलिस अवैध बजरी खनन को रोकने के लिए बनास नदी क्षेत्र में पहुंची थी। पुलिस उप अधीक्षक (डीएसपी) ग्रामीण लाभूराम विश्नोई एक निजी बोलेरो गाड़ी में टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी सरकारी गाड़ी सूरवाल थाने में ही छोड़ दी थी।
जैसे ही पुलिस ने अवैध खनन कर रहे ट्रैक्टर चालकों पर लाठियां भांजनी शुरू की, मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान बूंदी निवासी एक ट्रैक्टर चालक सुरज्ञान मीना ट्रैक्टर के टायर के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद खनन माफिया और ग्रामीण उग्र हो गए और पुलिस टीम पर चारों ओर से पथराव शुरू कर दिया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिसकर्मियों को जान बचाने के लिए बनास नदी क्षेत्र में छिपना पड़ा। स हिंसक झड़प में आरोपितों ने डीएसपी की निजी बोलेरो में भी आग लगा दी। मौके पर पहुंची अन्य पुलिस टीमें और वरिष्ठ अधिकारी स्थिति को काबू में लाने में जुट गए। घटना के बाद मृतक सुरज्ञान मीना के परिजन आक्रोशित हैं। मृतक के भाई रामप्रसाद मीना का आरोप है कि डीएसपी लाभूराम विश्नोई ने उनके भाई पर लोहे के सरिए से हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उनका यह भी कहना है कि पुलिस ने परिजनों को कोई सूचना दिए बिना शव को सवाई माधोपुर की मोर्चरी में भिजवा दिया और पूरे मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करने के बाद बंद हुए। जबकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल सांकेतिक तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।
अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान ज्यादातर समय तेजी का माहौल बना रहा। हालांकि अंत में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स पिछले सत्र के कारोबार में 300 अंक उछलने में सफल रहा। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,916.93 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, नैस्डेक 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,112.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,334.17 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।
यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार मजबूती बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,633.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,853.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 168.58 अंक यानी 0.71 प्रतिशत उछल कर 23,695.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,797.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 7,060.60 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,624.95 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।
दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,054.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत लुढ़क कर 3,885.15 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 162.82 अंक यानी 0.69 प्रतिशत टूट कर 23,290.34 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,363.32 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत फिसल कर 37,663.33 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,192.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN बिजनेस

एनआरआई कोटे में फर्जीवाड़ा कर डॉक्टर बनने की कोशिश, ईडी ने 12.33 करोड़ रुपये की बैंक राशि जब्त की

कोलकाता : मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटे के नाम पर फर्जीवाड़ा कर भारी रकम लेकर दाखिला दिलाने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने इस घोटाले की जांच के दौरान कुल 12.33 करोड़ रुपये की बैंक बैलेंस जब्त की है। इनमें दो व्यक्तियों और चार निजी मेडिकल कॉलेजों के बैंक खातों से यह राशि जब्त की गई है। ईडी के एक अधिकारी के अनुसार, अब तक की जांच में सामने आया है कि एनआरआई कोटे के नाम पर लगभग 23.67 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई है। इस सिलसिले में पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कई निजी मेडिकल कॉलेजों, उनके पदाधिकारियों, एजेंटों और उनसे जुड़े अन्य लोगों के घर और दफ्तरों पर छापेमारी की गई है। कई घंटों की पूछताछ में एजेंसी को जाली दस्तावेज, अमेरिकी नोटरी की नकली मुहरें और फर्जी एनआरआई प्रमाणपत्र जैसे अहम सबूत हाथ लगे हैं। नियमों के अनुसार, केवल करीबी रिश्तेदार ही एनआरआई स्पॉन्सर बन सकते हैं। लेकिन जांच में सामने आया है कि मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए छात्रों के अनजान लोगों को एनआरआई दिखाकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए और भारी रकम लेकर एडमिशन दिलाया गया। ईडी का दावा है कि इस फर्जीवाड़े में कई निजी मेडिकल कॉलेज भी शामिल हैं, जो एजेंटों की मदद से छात्रों से एमबीबीएस कोर्स के लिए एक से 1.5 करोड़ और एमडी या एमएस कोर्स के लिए तीन से चार करोड़ तक वसूलते थे। ईडी के मुताबिक, मेडिकल कॉलेजों ने फर्जी दस्तावेज बनवाने के लिए एजेंटों को भी मोटी रकम दी थी। जांच एजेंसी ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही इस घोटाले से जुड़े और लोगों पर कार्रवाई की जा सकती है।

सिक्किम की 50वीं वर्षगांठ का जश्न 'तिरंगा यात्रा' से हुआ

गंगटोक : सिक्किम आज अपनी स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर दिनभर विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तावित हैं, जिनमें तिरंगा यात्रा, राज्य स्तरीय पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह, सम्मान कार्यक्रम और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। राज्य दिवस समारोह की शुरुआत सुबह तिरंगा यात्रा के साथ हुई। राजधानी गंगटोक के एमजी मार्ग से शुरू हुई तिरंगा यात्रा पाल्जोर स्टेडियम पहुंच कर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने किया। यह यात्रा भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों के सम्मान में और भारत के हालिया आतंकवाद विरोधी अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मनाने के लिए आयोजित की गई । पाल्जोर स्टेडियम पहुंचने पर तिरंगा यात्रा राज्य दिवस समारोह में बदल गया। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर राज्य दिवस समारोह के मुख्य अतिथि और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग विशिष्ट अतिथि हैं। दोपहर में राजधानी स्थित मनन केंद्र में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। राज्य दिवस समारोह का समापन शाम को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगा। उल्लेखनीय है कि 16 मई, 1975 को सिक्किम 22वें राज्य के रूप में देश का अभिन्न अंग बना था।

अमृत सरोवर 2.0 के चयन में प्रदेश का दूसरे नम्बर का जिला प्रयागराज

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश में अमृत सरोवर 2.0 योजना की चयन प्रक्रिया में इस वित्तीय वर्ष में दूसरे नम्बर का जिला प्रयागराज है। जनपद के कुल 99 तालाबों का चयन किया गया है। यह जानकारी शुक्रवार को उपायुक्त श्रम रोजगार प्रयागराज गुलाब चन्द्र ने दी। उन्होंने बताया कि केन्द्र की मोदी सरकार ने जल संरक्षण को और मजबूत करने के लिए अमृत सरोवर 2.0 अभियान का आगाज कर दिया है। तालाबों का चयन हो चुका है और अब शासन से इस मद में आने वाला पैसा प्राप्त होते ही चयनित किए गए तालाबों का पुनरुद्धार कार्य शुरू कर दिया जायेगा। सरकार का उद्देश्य जल संरक्षण को और मजबूत करना है। अमृत सरोवर 2.0 अभियान, जिसे मिशन अमृत सरोवर भी कहा जाता है। इसकी शुरुआत 24 अप्रैल 2022 को हुई थी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रत्येक जिले में 75 जल निकायों का विकास और पुनरुद्धार करना है। प्रयागराज जनपद में अमृत सरोवर अभियान के शुभारम्भ के बाद से अब तक 583 तालाबों का पुनरुद्धार कार्य पूर्ण हो चुका है। जबकि 640 का चयन हुआ था। इस वित्तीय वर्ष में अमृत सरोवर 2.0 अभियान के तहत प्रयागराज जनपद में कुल 99 तालाबों का चयन किया गया है। जिसका कार्य अतिशीघ्र शुरू हो जाएगा। जनपद के कोराव विकासखंड में सबसे अधिक तालाबों का चयन हुआ है। जिनकी संख्या 17 है। इसी तरह जसरा में 13 तालाब, करछना 8, कौंधियारा 8, शंकरगढ़ में 6,हंडिया में 6, धनूपुर विकासखंड में 5 का चयन हुआ है। भगवतपुर एवं मऊआइमा में 4—4 का चयन हुआ है। श्रृंगवेरपुर, मेजा, माण्डा में 3—3 तालाबों का चयन किया गया है। इसी क्रम में बहादुरपुर,बहरिया, होलागढ़,कौड़िहार, सैदाबाद ,उरुवा में 2—2 तालाबों का चयन हुआ है। विकास खण्ड सोरांव, सहसों,फूलपुर,प्रतापपुर, चाका में एक—एक तालाब का चयन किया गया है। चयनित किए गए तालाबों का पुनरुद्धार कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर की स्वच्छता और जागरुकता की अपील

भोपाल : आज 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' है। डेंगू के प्रति लोगों को जागरूक करने और इसकी गंभीरता को ध्यान में रखते हुए ही हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। डेंगू दिवस का उद्देश्य डेंगू के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना और रोकथाम के उपायों को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने डेंगू दिवस पर नागरिकों से जागरुकता और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा स्वच्छता अपनाएं, डेंगू भगाएं, आइए मध्यप्रदेश को स्वस्थ बनाएं। 'स्वस्थ मध्यप्रदेश' के संकल्प को साकार करने के लिए स्वच्छता, जागरूकता और समय पर उपचार ही हमारा सबसे बड़ा हथियार है। आइए, 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' के अवसर पर संकल्प लें कि अपने आसपास जल जमाव नहीं होने देंगे, मच्छरों से बचाव और डेंगू के लक्षण व उपचार के प्रति जागरूकता की मशाल सतत जलाए रखेंगे।

नीरव मोदी को फिर झटका: ब्रिटेन की अदालत ने नई जमानत याचिका की खारिज

लंदन : भारत में बहुचर्चित बैंक घोटाले के आरोपित और आर्थिक भगोड़े नीरव मोदी को ब्रिटेन की अदालत से एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। लंदन के किंग्स बेंच डिवीजन के हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस ने उसकी ताजा जमानत याचिका खारिज कर दी है। नीरव मोदी पिछले पांच वर्षों से लंदन की वांड्सवर्थ जेल में बंद है और भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया का सामना कर रहा है। नीरव मोदी ने अदालत से अनुरोध किया था कि भारत प्रत्यर्पण तक उसे जमानत पर रिहा किया जाए। याचिका में उसने दावा किया कि उसे भारत में जान का खतरा है, इसलिए वह ब्रिटेन से भागने की कोशिश नहीं करेगा। लेकिन अदालत ने यह तर्क खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि नीरव मोदी के न्याय से भागने का पर्याप्त जोखिम₹ बना हुआ है और ऐसे में उसे रिहा नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश ने कहा कि नीरव मोदी जैसे प्रभावशाली और संसाधन-संपन्न व्यक्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग निकलना कोई कठिन कार्य नहीं होगा। अदालत ने यह भी जोड़ा कि इससे पहले की जमानत याचिकाओं में दिए गए तर्कों में निरंतरता नहीं है, और बार-बार दोहराए गए दावों से भरोसा नहीं बनता। भारत सरकार की ओर से पेश हुए वकीलों ने स्पष्ट किया कि नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण के लिए पर्याप्त कानूनी और राजनयिक प्रबंध किए गए हैं। साथ ही, यह भी आश्वासन दिया गया कि भारत में उसे निष्पक्ष और सुरक्षित कानूनी प्रक्रिया मिलेगी। उल्लेखनीय है कि नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से जुड़े करीब 14,000 करोड़ रुपये के घोटाले का मुख्य आरोपित है। वर्ष 2018 में मामला सामने आने के बाद से ही वह फरार चल रहा था और मार्च 2019 में लंदन में गिरफ्तार किया गया था।

गुमला में पीवीटीजी समुदाय के लिए चिप्स निर्माण बना आत्मनिर्भरता का नया मार्ग

घाघरा, बिशुनपुर और डुमरी प्रखंडों में ५०० पीवीटीजी परिवारों को मिला आलू की व्यावसायिक खेती, प्रशिक्षण और चिप्स इकाई से आजीविका का नया अवसर

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला प्रशासन के उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी के विशेष रूप से वंचित जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी के नेतृत्व में चल रही इन पहलों का उद्देश्य आदिवासी समाज को सशक्त बनाना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।

इन्हीं प्रयासों के तहत अक्टूबर 2024 से घाघरा, बिशुनपुर और डुमरी प्रखंडों में पीवीटीजी परिवारों के बीच आलू की खेती और उसके मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने हेतु एक विशेष परियोजना शुरू की गई। इस योजना का लाभ 500 से अधिक पीवीटीजी परिवारों को मिल रहा है।

परियोजना के अंतर्गत इन परिवारों को कुफरी चिपसोना किस्म के आलू के बीज, उर्वरक, सिंचाई सुविधा और आधुनिक कृषि प्रशिक्षण निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। किसानों को उन्नत किस्म की खेती, पोषण प्रबंधन और कीट नियंत्रण जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर व्यावसायिक कृषि की ओर अग्रसर हो सकें।

लगभग 80 एकड़ भूमि में आलू की खेती की गई, जिसमें से 50 प्रतिशत उत्पादन का उपयोग स्थानीय उपभोग हेतु किया गया और शेष का बाजार में विक्रय हुआ। इससे लगभग 10 लाख रुपये की आमदनी हुई, जिसका लाभ सीधे किसानों को मिला। साथ ही, किसानों को मेहनताना भी दिया गया, जिससे तत्काल आर्थिक राहत भी मिली।

परियोजना के अंतर्गत बिशुनपुर प्रखंड के जहान गुटवा गांव में पीवीटीजी समुदाय द्वारा संचालित एक आलू चिप्स निर्माण इकाई की स्थापना की गई है, जिसे ₹क्रिस्पर₹ नाम से ब्रांड किया गया है। यह इकाई 25 मई 2025 को औपचारिक रूप से प्रारंभ की जाएगी। इस संयंत्र के माध्यम से अब पीवीटीजी समुदाय न केवल कच्चे आलू का उत्पादन कर रहा है, बल्कि उसके प्रसंस्करण से मूल्यवर्धित उत्पाद भी तैयार कर रहा है।

इस पहल से समुदाय की आय में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना है। प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी खेती की उत्पादकता में लगभग 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। साथ ही, आसपास के 10 गांवों में भी किसानों ने इस मॉडल को अपनाने की इच्छा जताई है, जिससे यह परियोजना अब सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनती जा रही है।

गुमला जिला, जो पीवीटीजी समुदायों का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, अब कृषि आधारित आजीविका और प्रसंस्करण के माध्यम से एक नए दिशा की ओर बढ़ रहा है। ढश्ळ्ञ्र समुदाय के विकास हेतु ढट-खअठअट योजना अंतर्गत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उपायुक्त के निर्देश के आलोक में मुख्य रूप से जिले के शत प्रतिशत ढश्ळ्ञ्र समुदाय को सभी लाभकारी योजनाओं से जोड़ते हुए उनके जीवन हैं सुधार लाने का कार्य किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बंदगांव के बीडीओ को चार प्रखंडों का दायित्व

ज्योति पाठक : पश्चिम सिंहभूम जिला के सबसे अति सुदूर क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाल बंदगांव प्रखंड में पदस्थापित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती रंजना पांडे को इस प्रखंड के साथ-साथ अन्य तीन प्रखंडों का भी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के रूप में कार्य भार देखना पड़ रहा है जिनमें चक्रधरपुर खुटपानी झीकपानी प्रखंड भी मुख्य रूप से शामिल है इस परिस्थिति में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को चार-चार प्रखंडों का दायित्व संभालना निश्चित तौर पर कठिन कार्य है किंतु उसके पश्चात भी श्रीमती पांडे अपने दायित्व का पूर्ण रूप में निर्वहण कर रही है और कार्यों का निष्पादन भी जब कि बंद गांव से झीकपानी की दूरी लगभग 90 किलोमीटर से अधिक है इसके पश्चात भी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा अपने दायित्वों का निष्पादन सुचारू ढंग से किया जा रहा है जो अपने आप में उपलब्धि और अनुकरणीय भी है।

गुमला जिला में पहली बार आयोजित होगी जिला स्तरीय कैरम टैलेंट प्रतियोगिता

गुमला : गुमला झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से प्राप्त निर्देश के आलोक में प्रथम जिला स्तरीय कैरम टैलेंट प्रतियोगिता 2025 का आयोजन दिनांक 16 मई 2025 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), गुमला परिसर में किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा पहली बार आयोजित की जा रही है, जिसमें विद्यालय स्तर, प्रखंड स्तर एवं जिला स्तर के माध्यम से राज्य स्तरीय चयन की प्रक्रिया तय की गई है। जिले के सभी प्रखंडों में पूर्व में आयोजित प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग में पृथक रूप से अंडर 17 एवं अंडर 19 श्रेणी के अंतर्गत एकल एवं युगल मुकाबलों में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संचालन हेतु जिले के सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईओ) एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीओ) को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को 16 मई की सुबह 09 बजे डायट गुमला में रिपोर्ट करना अनिवार्य है।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी आगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गुमला जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे उन्हें न केवल खेल में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि उनके आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास में भी सहायता मिलेगी।

आईटीडीए परियोजना निदेशक ने नागफेनी कल्याण अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

गुमला : गुमला आईटीडीए परियोजना निदेशक रीना हांसदा द्वारा गुमला प्रखंड अंतर्गत नागफेनी कल्याण अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तार से जांच की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के क्रम में ओपीडी एवं आईपीडी रजिस्टर सहित चिकित्सीय अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त पैथोलॉजी, फामेर्सी, एक्स-रे सेवा एवं माइनर ऑपरेशन थियेटर की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध संसाधनों की भी जांच की गई। परियोजना निदेशक ने संबंधित कर्मियों को मरीजों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने हेतु सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कल्याण अस्पतालों की सेवाओं को समय पर और सटीक रूप से उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है, ताकि ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

समर कैंप का आयोजन

गुमला : गुमला झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा आयोजित समर कैंप के तीसरे दिन विद्यालयों में विभिन्न आकार प्रकार के गतिविधि आयोजित की गई जिसमें संबंधित सभी छात्रों ने अनुशासित होकर विभिन्न क्रियाकलापों में भाग लिया और अपनी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए, अपनी अपनी अलग पहचान बनाई और और अपनी कुशलता का परिचय दिया।

आसेटीं में 31 दिवसीय वीमेंस गारमेंट्स का भी ट्रेनिंग जारी

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर के 31 दिन प्रशिक्षुओं को हेयर हाइलाइटर के साथ- साथ मेंहदी लगाने सिखाया जा रहा था।आसेटीं निदेशक रविन्द्र कुमार ने कहा प्रशिक्षुओं को दुल्हन मैकअप कराया जायेगा।साथ ही 17 और 18 मई को आसेटीं में फ्री ब्राइडल मैकअप भी कराया जाएगा।उन्होंने बताया की आसेटीं में 31 दिवसीय विमेंस गारमेंट्स का भी ट्रेनिंग जारी हैं जिसमें झारखंड आजीविका सखी मंडल के 35 दीदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है मौके पर अतिथि प्रशिक्षक रीना देवी,चम्पा पाल,राजहंस कुमार,उपेंद्र गोप,सहायक रंजीत कुमार ठाकुर,आकाश कुमार एवं तौफीक आलम, नीरज शर्मा और सुरेन्द्र मुर्मू उपस्थित थे।

गुमला स्थापना दिवस की तैयारी को लेकर हुई विशेष बैठक

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : आगामी 18 मई 2025 को आयोजित गुमला स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर आज समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्थापना दिवस के विभिन्न प्रस्तावित कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उपायुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्थापना दिवस के दिन जिले के सभी शहीद स्मारकों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त समाहरणालय स्थित परिषद भवन में गुमला के इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक परिचय समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर गुमला की ऐतिहासिक स्मृतियों, विरासत और प्रमुख उपलब्धियों को संजोने के उद्देश्य से एक फोटो गैलरी के विमोचन की योजना बनाई गई है।

साथ ही, गुमला के सांख्यिकी आँकड़ों और मुख्य ऐतिहासिक बिंदुओं पर आधारित पुस्तकों के विमोचन की तैयारी भी की जा रही है, जिससे जिले के विकास, संस्कृति और इतिहास की जानकारी आम जनता तक पहुंच सके।इसके अतिरिक्त विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में चर्चा करते हुए उपायुक्त द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

इस दौरान मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त गुमला, अपर समाहर्ता गुमला, परियोजना निदेशक क्ळ्ऊअ, जिला नजारत उप समाहर्ता, जिला खेल पदाधिकारी, अविनाश पाठक , अलीना दास सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें।

गिरिराज सेना के प्रमुख उमाशंकर गिरी सबों के साथ रखते हैं बेहतर और अपनत्व का संबंध

बिनय मिश्रा

व्यक्ति का व्यक्तित्व यह बताने के लिए काफी है कि उनका व्यवहार अपनापन और शालीनता ही बरबस लोगों को अपनी ओर खींच लेता है, जी हां हम बात कर रहे हैं गिरिराज सेना के प्रमुख उमाशंकर गिरी की, उनके द्वारा सामाजिक कार्यों को निरंतर प्रोत्साहित करना, रक्तदान शिविर का आयोजन और जन सहभागिता से आयोजन को बेहतर तथा उत्कृष्ट बनाना, जन समस्याओं के निराकरण हेतु सदैव तत्पर रहना, यही नहीं लोगों के बीच हमेशा साथ साथ रहकर उनका मनोबल बढ़ाने जैसा महत्वपूर्ण कार्य उनकी सशक्त पहचान है। उनकी सामाजिक कार्यों में सहभागिता और पूरे टीम के साथ बेहतर दिशा निर्देश के साथ कार्यों और जवाबदेही का निर्वहन करना उमाशंकर गिरी की सशक्त पहचान है, यही नहीं जब वह फुर्सत के क्षण में होते हैं तो हंसी का

वातावरण और नन्हे बच्चों के साथ हास्यप्रद स्थिति उत्पन्न कर बच्चों के साथ उनका मेल जोल भी काफी प्रशंसनीय है,स्नेह और अपनापन का गजब का मिश्रण देखने को मिलता है, ऐसे व्यक्ति निश्चित तौर पर अनुकरणीय प्रेरणा स्त्रोत हैं और लोगों के बीच उत्साह और जज्बा भी प्रस्तुत करते हैं, यह निश्चित तौर पर अनुकरणीय और लोगों के लिए बेहतर प्रस्तुति भी है, इस प्रकार से कहा जा सकता है कि गिरिराज सेना अपने जवाबदेही के लिए हमेशा तत्पर है और इसके अध्यक्ष उमाशंकर गिरी पूरे टीम के साथ हमेशा लोगों के लिए सुलभ है, जो निश्चित तौर पर गौरव की बात है।

रेफर की स्थिति में रेलकर्मी स्वेच्छा से चुनेंगे इम्पैनल्ड अस्पताल

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद : अब कोई भी रेल कर्मचारी या उनके आश्रित अपना इलाज किसी भी इम्पैनल्ड अस्पताल में करा पाएंगे। पहले रेलवे के डॉक्टर ही रेफर के साथ रेफर वाले अस्पताल का भी निर्धारण करते थे। अब मरीज स्वयं तय करेंगे कि उन्हें रेलवे से इम्पैनल्ड किस अस्पताल में इलाज कराना है। रेलवे बोर्ड ने ई-रेफरल पोर्टल की शुरूआत कर दी है। रेलवे के मंडल अस्पताल और रेलवे से इम्पैनल्ड अस्पताल के कर्मियों और जिम्मेवार लोगों को 14 मई को ई-रेफरल पोर्टल के संबंध में ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। अब ऑफलाइन रेफर की व्यवस्था पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

ट्रेनिंग में कर्मियों को बताया गया कि किस तरह से रेफर होनेवाले मरीज की इंट्री पोर्टल पर की जानी है। पोर्टल में ऑनलाइन रेफर की प्रक्रिया में कहीं भी इम्पैनल्ड अस्पताल के नाम के चयन का विकल्प नहीं दिया गया है। रेलकर्मी या उनके आश्रित के उम्मीद कार्ड का नंबर का विवरण भर कर उन्हें रेफर किया जाएगा। इसके बाद रेलकर्मी अपनी मर्जी से जिस इम्पैनल्ड अस्पताल में चाहेंगे, वहां अपना इलाज करा पाएंगे। अब बेहतर सेवा के आधार पर ही रेलकर्मी अस्पताल का चुनाव करने के लिए स्वतंत्र हैं। --- खुद भर्ती होने के बाद रेफर कराना हुआ कठिन पूर्व में रेल कर्मचारी या उनके आश्रित आपातकालीन स्थिति में स्वयं रेलवे से इम्पैनल्ड अस्पताल में भर्ती हो जाते थे। बाद में उनका रेफर पेपर संबंधित चिकित्सक की अनुमति से बनाया जाता था ताकि उस निजी अस्पताल में उनका कैशलेश इलाज हो सके। अब मरीज को हर हाल में रेलवे के डॉक्टर की सहमति से मेडिकल क्लर्क से ऑनलाइन रेफर कराना होगा। हालांकि मंडल अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि मंडल अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध है, वहां से रेलकर्मी रेफर की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। --- दुगार्पुर मिशन अस्पताल से टूटा करार धनबाद रेल मंडल और दुगार्पुर मिशन के बीच कैशलेश इलाज का करार इस साल टूट गया। रेलवे ने दुगार्पुर मिशन के साथ अपना एमओयू को आगे विस्तार नहीं दिया। बकाया को लेकर दुगार्पुर मिशन अस्पताल पहले से रेलकर्मियों को भर्ती लेने में आनाकानी कर रहा था। फिलहाल धनबाद डिवीजन का 15 निजी अस्पतालों से करार है। इसके अलावा तीन जांच घर में भी रेलकर्मी या उनके आश्रित कैशलेश जांच करा सकते हैं। --- किस अस्पताल से रेलवे का कब तक का है करार - असर्फी अस्पताल धनबाद : 17 फरवरी 2026 - पाटलिपुत्रा नर्सिंग होम धनबादः 20 जून 2026 - एशियन जालान सुपर स्पेशियलिटी धनबादः 18 जनवरी 2026 - एसजेएएस सुपर स्पेशियलिटी धनबादः 29 जनवरी 2026 तक - जेपी हॉस्पिटल धनबादः 30 जनवरी 2027 तक - भगवान महावीर मेडिका रांचीः 29 नवंबर 2025 - मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल रांचीः 26 सितंबर 2025 - मां राम प्यारी सुपर स्पेशियलिटी रांचीः 15 सितंबर 2025 - देवनिका हॉस्पिटल रांचीः 29 दिसंबर 2026 - रानी हॉस्पिटल रांचीः 15 सितंबर 2025 - पारस एचईसी हॉस्पिटल रांचीः 29 दिसंबर 2026 - अंकुरम आईवीएफ रांचीः 29 दिसंबर 2026 - विवेकानंद हॉस्पिटल दुगार्पुरः 15 सितंबर 2025 - हेल्थवर्ल्ड हॉस्पिटल दुगार्पुरः 15 सितंबर 2025 - क्लियरमेडी डीएमएच मल्टी स्पेशियलिटी मुगलसरायः 25 फरवरी 2027

एटी देवप्रभा पर जमीन अतिक्रमण व ओबी डंप के आरोप की विशेष समिति करेगी जांच

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद : धनबाद में बीसीसीएल के अधीन सक्रिय एटी देवप्रभा समेत अन्य आउटसोर्सिंग कंपनियों पर कथित अतिक्रमण और रैयती भूमि पर ओबी डंप करने के आरोपों की जांच के लिए विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने विशेष समिति गठित की है। समिति के संयोजक टुंडी के झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो बनाए गए हैं। सदस्यों में निरसा विधायक अरूप चटर्जी, धनबाद विधायक राज सिन्हा, चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक, सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो, बोरियो के धनंजय सोरेन और तोरपा के सुदीप गुड़िया शामिल किए गए हैं। समिति का कार्यकाल तीन महीने का है। इस अवधि में समिति आरोपों की जांच कर रिपोर्ट तैयार करेगी।

प्रभावित ग्रामीणों को मुआवजा दिलाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा करेगी। यह मामला छह मार्च को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सिंदरी के भाकपा माले विधायक चंद्रदेव महतो ने उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि बलियापुर में देवप्रभा कंपनी ने रैयती भूमि पर जबरन ओबी डंप किया। ओबी डंप में बलदेव कुंभकार और राजू भुईंया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का भी आरोप है। वहीं विधायक अरूप चटर्जी ने आरोप लगाया था कि आउटसोर्सिंग कंपनियों को पुलिस-प्रशासन का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा था कि कंपनियों के लठैत ग्रामीणों को धमकाते हैं और पुलिस उल्टे ग्रामीणों पर ही केस दर्ज करती है। मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा था कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और अतिक्रमण के आरोपों में कार्रवाई जारी है। दो नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि समिति गठन की सूचना जारी कर दी जाएगी।

एकदिवसीय क्षमता वर्धक कार्यक्रम संपन्न

दुमका : पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-02, दुमका अंतर्गत प्रखंड जामा के प्रखंड सभागार में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी,विवेक किशोर की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), फेज-02 के सभी अवयवों पर विस्तार पूर्वक से सहयोगी संस्था सीनी टाटा ट्रस्ट के द्वारा पांच पंचायत यथा चिकनिया, टेंगधोवा, नाचनगडिया, भैरवपुर और भूटोकोरिया के मुखिया एवं पंचायत अंतर्गत सभी जल सहिया के साथ बैठक- सह क्षमता वर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।प्रशिक्षक के रूप में जिला समन्वयक ब्रजेश कुमार के द्वारा सभी अवयवों पर विस्तार पूर्वक से चर्चा की गई एवं कनीय अभियंता, अमित कुमार के द्वारा जलापूर्ति योजनाओं में टेक्निकल जानकारी एवं सहयोग हेतु विस्तार पूर्वक से चर्चा की गई। साथ ही कपिल कुमार के द्वारा जलापूर्ति योजनाओं की मरम्मती एवं संपोषण पर प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। जिसमें पांच पंचायत के मुखिया संतोष पूजहर, उर्मिला टुंडू, बसंती मुर्मू, चुरकी टुडू एवं कमीशन मरांडी के साथ-साथ पंचायत के सभी जलसहिया एवं सिनी टाटा ट्रस्ट के कर्मी बैठक-सह प्रशिक्षण में उपस्थिति रहे।

बाइक सवार ने महिला से झपट ली चेन

धनबाद : मुहल्ले में मकान खोजने की बात कहते हुए बाइक सवार दो लड़के गुरुवार की शाम सरायढेला वृंदावन कॉलोनी पहुंचे। दोनों ने घर के बाहर बैठी एक महिला से किराए के मकान के संबंध में पूछताछ की। इसी बीच मौका पाकर एक उचक्के ने महिला के गले से सोने की चेन झपट ली। महिला के पुत्र राजीव कुमार सिन्हा ने मामले की शिकायत सरायढेला थाना में की है। राजीव कुमार सिन्हा ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि उनकी मां किरण सिन्हा शाम छह बजे अपने घर के बाहर बैठी थीं। दो लड़के बाइक से वहां पहुंचे। दोनों ने बगल के एक मकान के संबंध में पूछताछ की।

जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति एवं जिला निगरानी समिति की हुई बैठक

दुमका : जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे के अध्यक्षता में गुरुवार को मेनुवल स्कवेंजर अधिनियम 2013 के तहत जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक आहुत की गयी। बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए दुमका रवि जैन के द्वारा उपस्थित समिति के सदस्यों के समक्ष उक्त अधिनियम में निहित निदेशों के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि मेनुवल स्कवेंजर एक अमानवीय प्रथा है, जिसमें सीवर, सेप्टिक टैंक या सूखे शौचालयों से मानव मल को नंगे हाथों या साधारण उपकरणों से साफ करने की

प्रक्रिया को प्रतिबंधित किया गया है। बैठक के क्रम में यह भी बताया गया कि दुमका जिलान्तर्गत सभी 10 प्रखण्डों एवं 02 नगर पंचायत का सर्वे प्रतिवेदन प्राप्त किया गया, जिसमें मेनुवल स्कवेंजर मुक्त पाया गया है। उक्त बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, प्रशासक, नगर परिषद, दुमका, प्रशासक, नगर पंचायत बासुकीनाथ एवं अन्य पाँच समिति के सदस्य उपस्थित थे।